▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 90 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 25-10-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 युवाओं को रोजगार से जोड़ना सरकार की प्राथमिकता : अनुप्रिया पटेल

6 छठ : जब घाटों पर उतरती है सूर्यभक्ति की आभा

7 अच्छे पार्टनर की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड पहुंचीं शहनाज गिल

24-10-2025 सूर्यास्त 5:55 बजे | 25-10-2025 सूर्योदय 6:11 बजे

BSE 84,211.88 (-344.52) | NSE 25,795.15 (-96.25)

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आखिरी सच

गुटबंधन से गठबंधन तक,
घट-घट में आशंका है।
जिसको भी घर भेदी मिलते,
उसने लूटी लंका है।
सपनों के मंदिर के आगे,
टँगा मतलबी टंका है।
जो जीता बस वही सिकंदर,
बजता उसका डंका है।।

वैश्विक खतरों से निपटने के लिए

वायुसेना प्रमुख ने प्रशिक्षण प्रणाली में सुधार का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए. पी. सिंह ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि उभरते ''वैश्विक खतरों'' और प्रौद्योगिकियों के मद्देनजर रक्षा बलों को अनुकूलनीय, सक्षम और युद्ध-कुशल बनाए रखने के लिए सैन्य प्रशिक्षण में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने 23 और 24 अक्टूबर को बेंगलूरु स्थित मुख्यालय प्रशिक्षण कमान (एचक्यू टीसी) में आयोजित प्रशिक्षण कमान कमांडर्स सम्मेलन 2025 की अध्यक्षता की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस सम्मेलन में प्रशिक्षण कमान के अंतर्गत सभी प्रशिक्षण संस्थानों के कमांडरों ने भाग लिया।

बयान में कहा गया है कि सम्मेलन में कई विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें प्रशिक्षण दर्शन का आधुनिकीकरण, बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण और भारतीय वायु सेना की बदलती परिचालन आवश्यकताओं के अनुसार शिक्षण प्रथाओं का समन्वय शामिल था। इसमें कहा गया, वायुसेना प्रमुख (सीएएस) ने सभी प्रशिक्षण संस्थानों के प्रदर्शन की समीक्षा की, उल्लेखनीय उपलब्धियों की सराहना की और सुधार के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की।

बयान के अनुसार, अपने मुख्य भाषण में सीएएस ने प्रशिक्षण कमान की उत्कृष्टता के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता की सराहना की और जोर दिया कि उभरते वैश्विक खतरों और प्रौद्योगिकियों के मद्देनजर रक्षा बलों को अनुकूलनीय, सक्षम और युद्ध-कुशल बनाए रखने के लिए सैन्य प्रशिक्षण में सुधार आवश्यक है। इस अवसर पर, सीएएस ने संचालन, रखरखाव और प्रशासन में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए विभिन्न स्टेशनों को ट्रॉफी भी प्रदान की। 'प्राइड ऑफ द ट्रेनिंग कमान' ट्रॉफी वायुसेना अकादमी को दी गई।

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में निजी बस में आग लगने से 20 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुरनूल (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद, बेंगलुरू जा रही एक निजी बस में शुक्रवार को आग लग गई जिससे 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि टक्कर के बाद मोटरसाइकिल बस के नीचे कुछ दूरी तक घिसटती रही और इस बीच उसकी पेट्रोल टंकी का ढक्कन खुल गया जिससे आग लग गयी।

उसने कहा कि अधिकतर शव इतने जल चुके थे कि उनकी पहचान नहीं की जा सकी। उनमें दो बच्चे और मोटरसाइकिल सवार भी शामिल हैं। इस हादसे में नौ लोग घायल हुए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर दुख व्यक्त किया। केंद्र सरकार, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सरकारों ने अनुग्रह-राशि की घोषणा की है।

घायल लोगों ने चमत्कारिक ढंग से जान बच जाने के पहले के तनाव भरे पलों के बारे में बताया। यात्रियों ने सुरक्षित बाहर निकलने के लिए खिड़की का शीशा तोड़ दिया। हादसे के समय बस में 44 यात्री सवार थे। कुरनूल के पुलिस अधीक्षक विक्रांत पटेल ने एक बयान में कहा, ''बस चालक मिरयाला लक्ष्मैया ने समान दिशा में जा रही एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इससे कुरनूल जिले के बी थंड्रापडु गांव निवासी मोटरसाइकिल चालक बुद्यालु शिव शंकर की मौके पर ही मौत हो गई।''

|| श्री आदिनाथाय नमः || || श्री नाकोड़ा पार्श्वनाथाय नमः|| || श्री महावीराय नमः||

श्री सिवांची ओसवाल जैन संघ (रजि.)

No. 204, Paxal Tower, 2nd Floor, 13, K.R. Road (Fort), Bengaluru-560002
M: 90197 42301, Email : ssojs.blr@gmail.com

दीपावली स्नेह मिलन

भावभरा आमंत्रण रविवार, 26 अक्टूबर 2025

For Location
स्नेह मिलन स्थल :
MJ Avyana Resort & Convention Centre
Suragajakkanhalli, Jigani, Bengaluru

सम्मानीय सिवांची बंधुगण, जय जिनेन्द्र
संघ के दीपावली स्नेह मिलन रविवार, 26.10.25 में आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित है।
कृपया पधारकर स्नेह मिलन को सफल बनाएं।

कार्यक्रम प्रातः 10.30 बजे सत्कार समारोह,
मंगलाचरण, दीप प्रज्वलन, अध्यक्षीय भाषण, मंत्री प्रतिवेदन एवं लाभार्थियों का सम्मान
कार्यक्रम स्थल पर प्रातः नाश्ता, अपराह्न स्वरुचि भोजन एवं सायं जलपान

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र (भोजन उपरांत) मध्यान्ह 2.00 बजे से
'ठहाके ही ठहाके' हास्य व्यंग्य का एक अद्भुत कार्यक्रम
प्रताप फौजदार, दिल्ली सुरेश अलबेला, मुम्बई, हिमांशु बवंडर, उज्जैन

स्नेह मिलन प्रायोजक
श्री पारसमलजी गुलाबचंदजी चोपड़ा परिवार, कानाना, Natural Granites
भेरौणी श्री सुरेशकुमारजी मांगीलालजी चौपड़ा, सिवाना, Hicotronics Devices P. Ltd
श्रीमती सुमतिदेवी नथमलजी दरजानी बाफना परिवार, मोकलसर Arihant Saree Centre
श्री विनयकुमारजी पारसमलजी कानूँगा, सिवाना EZHOMZ-CASAUNO
श्री अशोककुमारजी अंकितकुमारजी बागरेचा, सिवाना Maverick Global

स्नेह मिलन स्थल पर पहुँचने के लिए निम्नोक्त स्थलों से बसों की व्यवस्था रखी गई है जो प्रातः ठीक 7:00 बजे रवाना हो जाएगी।

* शारदा टॉकीज, नगरथपेट
* जैन मंदिर, चामराजपेट
* चिक्क लालबाग
* जैन मंदिर, शांतिनगर
* राम मंदिर, राजाजीनगर
* प्रसन्ना टॉकीज, मागड़ी रोड
* वासवी टेम्पल, वी.वी. पुरम
* ईटा गार्डन (बिन्नीपेट)
* दादावाड़ी, बसवनगुडी
* मराठा हॉस्टल, बुल टेम्पल रोड
* पार्क वेस्ट, बिन्नीपेट

बस सम्पर्क सूत्र : सुरेश कानूंगा (93412 22142)
पदम राज लुंकड़ 98862 63561
राकेश ओस्तवाल 96322 22630
हितेश गुलेच्छा 99721 31584

नोट : कार्यक्रम स्थल पर मनोरंजन हेतु गेम्स के विविध स्टॉल भी रखे गए हैं।

निवेदक
श्री सिवांची ओसवाल जैन संघ (रजि.)
अध्यक्ष राजेन्द्र छाजेड़ | उपाध्यक्ष महेन्द्र रांका | उपाध्यक्ष रंजीत सोलंकी | महामंत्री अशोक सालेचा
कोषाध्यक्ष प्रकाशकरण मेहता | मंत्री नरेन्द्र पालरेचा | मंत्री सुरेश कानूंगा
समिति सदस्य : अशोक मेहता, अनिल कांकरिया, दिलीप चौपड़ा, हितेश पालरेचा, ललित कानूंगा, महावीर पारख, महेन्द्र बागरेचा, प्रवीण बाफना, पदमराज लुंकड़, राजेन्द्र भंसाली, राजेन्द्र गुलेच्छा, राजेन्द्र ओस्तवाल, राजेश शाह, रमेश छाजेड़, सुरेश बागरेचा, संजय बालड़
श्री सिवांची जैन युवा मंडल व्यवस्था सहयोगी श्री सिवांची ओसवाल जैन महिला संघ
अध्यक्ष : शैलेष भंसाली मंत्री : संदीप बागरेचा | अध्यक्ष : सारिका लुंकड मंत्री : शीतल चोपड़ा

जीएसटी अधिकारी ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र, सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करें: सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ विनम्र एवं सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार करना चाहिए। गाजियाबाद में सीजीएसटी भवन के उद्घाटन के अवसर पर सीतारमण ने कर अधिकारियों से तेजी से पंजीकरण मंजूरी एवं शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करने और क्षेत्रीय इकाइयों से सक्रिय रूप से व्यापार करने में सुगमता लाने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) स्पष्ट संदेश देगा कि कदाचार, कर्तव्य की उपेक्षा या अनैतिक व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने कहा, ''आपके और व्यापारी के बीच कोई लोहे की दीवार नहीं है, बस हवा का एक झोंका है। आप समझ सकते हैं कि समस्या कहां है, बजाय इसके कि उसे और उलझाएं।'' उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ईमानदार करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय अधिक सहानुभूति एवं शिष्टाचार दिखाना चाहिए और उन्हें यह एहसास दिलाना चाहिए कि अगली पीढ़ी के जीएसटी के तहत उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जा रहा है। मंत्री ने कहा, '' अगर करदाताओं में कुछ लोग बुरे लोग हैं तो उन्हें पकड़ने के लिए नियमों का पालन करें लेकिन हर किसी को संदेह की नजर से न देखें।यह महत्वपूर्ण है कि आप विनम्र बने रहें। अगली पीढ़ी का जीएसटी केवल दरों, श्रेणियों, सरलीकरण के बारे में नहीं है। इससे करदाता को बेहतर महसूस होना चाहिए।'' इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विनम्रता को कानून व नियमों के साथ समझौते के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

केंद्र ने कबाड़ निपटान से 377 करोड़ रुपए अर्जित किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने महीने भर चलने वाले विशेष स्वच्छता अभियान के तहत कबाड़ निपटान से 377 करोड़ रुपए अर्जित किये हैं। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग को नोडल प्राधिकार बनाकर सरकार द्वारा शुरू किया गया विशेष अभियान 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक क्रियान्वित किया जा रहा है। विशेष अभियान का यह पांचवां संस्करण है।

बयान के अनुसार, विभाग के सचिव वी. श्रीनिवास ने 24 अक्टूबर 2025 को आयोजित बैठक में अभियान की प्रगति की समीक्षा की।

बैठक में 84 मंत्रालयों और विभागों के 200 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, स्वच्छता अभियान के अंतर्गत 4.95 लाख स्वच्छता अभियान स्थल शामिल किए गए। 130.54 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थान उत्पादक उपयोग के लिए कबाड़ मुक्त किया गया। कबाड़ निपटान से 377.8 करोड़ रुपए प्राप्त हुए।

अभियान के दौरान, रेल मंत्रालय द्वारा अमृत संवाद सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए यात्रियों से प्रतिक्रियाएं आमंत्रित की गयीं। डाक विभाग द्वारा नागरिकों से जुड़ने, उनके प्रश्नों के उत्तर देने और पूर्वोत्तर राज्यों सहित पूरे भारत में डाक सेवाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए डाक चौपाल का आयोजन किया गया।

अभियान के तहत, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग उपयोगकर्ताओं को टोल प्लाजा पर शौचालयों को साफ रखने में मदद करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली स्वच्छता चुनौती तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा ई-कचरे को ड्रोन, ट्रैक्टर और कृषि उपकरण के 3डी मॉडल में बदलना भी शामिल है।

विशेष अभियान के कार्यान्वयन चरण में एक सप्ताह शेष रहने के साथ, मंत्रालयों और विभागों को गति बनाए रखने और 31 अक्टूबर 2025 तक लक्ष्य प्राप्त करने के प्रयासों को और तेज करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।

ट्रस्टवेल हॉस्पिटल्स में आस्ट्रिका मिडवाइफरी सेंटर खुला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। डॉ. जान्हवी नीलेकणी द्वारा स्थापित, बेंगलूरु के सबसे प्रतिष्ठित प्रसूति अस्पतालों में से एक, आस्त्रिका मिडवाइफरी सेंटर (एएमसी) ने शुक्रवार को बेंगलूरु के मध्य में 8,000 वर्ग फुट के नए परिसर में अपनी सेवाओं का विस्तार किया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव द्वारा उद्घाटन किए गए इस नए केंद्र का शुभारंभ ट्रस्टवेल हॉस्पिटल्स, जेसी रोड के सहयोग से किया गया है। यह अत्याधुनिक प्रसव केंद्र बुटीक प्रसूति देखभाल, व्यापक महिला स्वास्थ्य सेवाएँ, नवजात शिशु विज्ञान और बाल रोग सेवाएँ प्रदान करता है।

अपनी शुरुआत के बाद से चार वर्षों में, आस्ट्रिका मिडवाइफरी सेंटर ने सुरक्षित, नैतिक और प्रमाण-आधारित नैदानिक अभ्यास में नए मानक स्थापित किए हैं। इस अस्पताल ने 700 से ज़्यादा प्रसव कराए हैं, जिनमें 100 से ज़्यादा जल-जनित प्रसव शामिल हैं, और 73 प्रतिशत सामान्य प्रसव दर है। उनकी सी-सेक्शन दर केवल 27 प्रतिशत है, जो महानगरों के निजी अस्पतालों में प्रचलित 65-85 प्रतिशत से काफ़ी कम है। यह नैदानिक प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करके और व्यक्तिगत मिडवाइफरी देखभाल और दर्द निवारण के विभिन्न तरीकों के ज़रिए महिलाओं की सहायता करके हासिल किया गया है।

आस्त्रिका की अग्रणी सेवाएँ शहर में उच्च-गुणवत्ता वाले, मातृ-केंद्रित प्रसव अनुभवों की बढ़ती माँग को पूरा करती हैं। प्रसूति विशेषज्ञों, पेशेवर दाइयों, बाल रोग विशेषज्ञों और नर्सों से बनी अंतःविषय टीम, साझा निर्णय लेने और सूचित सहमति पर ज़ोर देते हुए, प्रत्येक माँ को व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करती है। एएमसी अत्याधुनिक संवेदी प्रसव कक्षों, आलीशान कमरों, एक नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) और चौबीसों घंटे उपलब्ध ऑपरेशन थिएटरों और आईसीयू तक पहुँच से सुसज्जित है।

उद्घाटन के दौरान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री दिनेश गुंडू राव ने माताओं और नवजात शिशुओं की भलाई के लिए सामान्य प्रसव और सम्मानजनक मातृत्व देखभाल को बढ़ावा देने के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने बताया कि शहरी निजी अस्पतालों में लगभग 60 प्रतिशत प्रसव सिजेरियन सेक्शन द्वारा होते हैं और जागरूकता बढ़ाकर और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को प्रशिक्षित करके इसे कम करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने साक्ष्य-आधारित, महिला-केंद्रित देखभाल के माध्यम से इस अंतर को पाटने के लिए सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों में आस्ट्रिका के प्रयासों की सराहना की और आशा व्यक्त की कि यह पहल कर्नाटक भर के और अधिक अस्पतालों को सुरक्षित और सामान्य प्रसव को मानक बनाने के लिए प्रेरित करेगी।

ई-कचरे से महत्वपूर्ण खनिजों की निकासी के लिए सरकार का निजी क्षेत्र से सहयोग

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह ई-कचरे के पूर्ण उपयोग और उससे विभिन्न महत्वपूर्ण खनिजों की निकासी सुनिश्चित करने की पर्याप्त क्षमता विकसित करने के लिए निजी क्षेत्र के साथ सक्रिय सहयोग कर रही है।

सरकार ने पिछले महीने महत्वपूर्ण खनिजों के पुनर्चक्रण के लिए 1,500 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी थी। यह योजना 'राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन' का हिस्सा है और इसका उद्देश्य निकट भविष्य में आपूर्ति शृंखला की स्थिरता सुनिश्चित करना है।

खान मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में हितधारकों के साथ परामर्श के बाद योजना के विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए थे।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, प्रोत्साहन योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया दो अक्टूबर, 2025 से शुरू हो चुकी है।

मंत्रालय ने कहा कि हितधारकों ने योजना को जल्द शुरू किए जाने की सराहना की है और वे मंत्रालय के साथ सक्रिय संपर्क में हैं।

महाराष्ट्र के मंत्री ने व्हाट्सऐप की 'निगरानी' वाला बयान देकर विवाद खड़ा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। व्हाट्सऐप समूहों की ''निगरानी'' संबंधी महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता चंद्रशेखर बावनकुले की टिप्पणी पर विपक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है तथा शिवसेना (उबाठा) के सांसद संजय राउत ने उनकी गिरफ्तारी की मांग की है।

बावनकुले ने बृहस्पतिवार को भंडारा जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''सभी के व्हाट्सऐप ग्रुप निगरानी में हैं। आपके द्वारा बोले गए हर शब्द पर नजर रखी जा रही है।'' उन्होंने कहा कि आगामी स्थानीय निकाय चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं के मोबाइल फोन और व्हाट्सऐप समूहों की निगरानी की जा रही है। उन्होंने उन्हें लापरवाह टिप्पणी करने या किसी भी प्रकार की बगावत में शामिल होने के प्रति आगाह किया।

बावनकुले की गिरफ्तारी की मांग करते हुए, राउत ने दावा किया कि कई विपक्षी नेताओं के फोन भी इसी तरह से टैप किए जा रहे हैं।

राउत ने कहा, ''बावनकुले के खिलाफ भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया जाना चाहिए।'' उन्होंने पूछा, क्या उन्होंने पेगासस-प्रकार की निगरानी मशीन हासिल कर ली है। बावनकुले ने शुक्रवार को एक स्पष्टीकरण में कहा, ''हमारी पार्टी में, हमारे कार्यकर्ताओं के साथ दैनिक संचार व्हाट्सऐप समूहों के माध्यम से होता है, इसीलिए मैंने ये टिप्पणियां कीं।'' उन्होंने कहा, ''संजय राउत को इसके बारे में चिंतित क्यों होना चाहिए? वह यह निर्देश देने वाले कौन होते हैं कि हमें अपनी पार्टी कैसे चलानी चाहिए।''

इंदौर में 'कार्बाइड गन' प्रतिबंधित, इस देशी बंदूक के साथ रील बनाने पर भी रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर के जिला प्रशासन ने कैल्शियम कार्बाइड से चलने वाली देशी बंदूक के कारण बढ़ती दुर्घटनाओं के मद्देनजर शुक्रवार को इस खतरनाक खिलौने पर प्रतिबंध लगा दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि स्थानीय पुलिस ने एक अलग आदेश जारी करके कार्बाइड गन के साथ रील बनाने और इसे सोशल मीडिया पर डालने पर भी पाबंदी लगा दी है।

जिलाधिकारी शिवम वर्मा ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी आदेश में कहा,''अवैध तौर पर तैयार कार्बाइड गन से आम जन के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। लिहाजा इसका निर्माण, भंडारण, क्रय-विक्रय, वितरण, प्रदर्शन और इसे चलाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।'' शहर के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया,''पुलिस ने न केवल कार्बाइड गन की खरीद-फरोख्त और इसके इस्तेमाल के खिलाफ प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है, बल्कि इस बंदूक के साथ रील बनाने और ऐसी रील को सोशल मीडिया पर डालने पर भी कानूनी पाबंदी लगा दी है।'' पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने इस आशय का प्रतिबंधात्मक जारी करके शहर के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि वे इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित कराएं। अधिकारियों ने बताया कि कार्बाइड गन को लेकर प्रशासन व पुलिस के प्रतिबंधात्मक आदेशों के उल्लंघन पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

कर्नाटक सरकार ने 27,600 करोड़ रुपए के 13 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई राज्य उच्च-स्तरीय मंजूरी समिति की बैठक में कुल 27,607.26 करोड़ रुपये के 13 निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इन स्वीकृत परियोजनाओं से लगभग 8,704 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। राज्य के विशाल एवं मध्यम उद्योग मंत्री एम बी पाटिल ने कहा कि इन मंजूरियों में 11 नए निवेश प्रस्ताव और दो अतिरिक्त निवेश के प्रस्ताव शामिल हैं। पाटिल ने एक बयान में कहा कि स्वीकृत प्रस्तावों में 27,228.51 करोड़ रुपये के नए निवेश शामिल हैं, जबकि विस्तार परियोजनाओं के लिए 378.75 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने राज्यसभा की तीन सीट जीतीं, चौथी सीट पर भाजपा विजयी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। सत्तारूढ़ नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू-कश्मीर में अब तक राज्यसभा की तीन सीट जीत ली हैं, जबकि चौथी और अंतिम सीट भाजपा के खाते में गयी है। पार्टी ने एक बयान में कहा कि चौधरी मोहम्मद रमजान को पहली सीट पर और सज्जाद किचलू को दूसरी सीट पर विजेता घोषित किया गया।

इसमें कहा गया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के कोषाध्यक्ष जी एस ओबेरॉय, जिन्हें शम्मी ओबेरॉय के नाम से भी जाना जाता है, को तीसरी सीट पर विजेता घोषित किया गया। भाजपा नेता सत शर्मा ने नेशनल कांफ्रेंस के इमरान नबी डार को हराकर राज्यसभा की चौथी सीट जीती। भाजपा प्रवक्ता ने यह जानकारी दी।

आलंद में 'वोट चोरी' के आरोपों की जांच के आदेश दे निर्वाचन आयोग : कर्नाटक के मंत्री पाटिल

बेंगलूरु। कर्नाटक के मंत्री एम बी पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले आलंद विधानसभा क्षेत्र में 6,000 से अधिक मतों को सामूहिक रूप से हटाने के प्रयास का विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा पता लगाए जाने के मद्देनजर निर्वाचन आयोग को इस कथित 'वोट चोरी' की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और जांच का आदेश देना चाहिए। उद्योग एवं बुनियादी ढांचा मंत्री पाटिल ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अब तक जो कुछ भी कहते रहे हैं, वह सच साबित हो रहा है।

पाटिल ने संवाददाताओं से कहा, ''अब सच्चाई सामने आ गई है। यही बात राहुल गांधी हमेशा से कहते रहे हैं – भाजपा कैसे सत्ता में आई, उसके पाप और उसके अवैध कार्य। भारत का निर्वाचन आयोग सबूत मांग रहा था। अब हमारे पास यह हैं।'' उन्होंने विभिन्न रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि राज्य के आलंद विधानसभा क्षेत्र में प्रत्येक मतदाता का नाम हटाने के लिए 75 से 80 रुपये का भुगतान किया गया। पाटिल ने कहा, ''हम केवल आलंद की बात कर रहे हैं। ऐसा पूरे भारत में हो सकता है। निर्वाचन आयोग को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और इसकी जांच करनी चाहिए। भाजपा को अब जवाब देना चाहिए।'' मंत्री ने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर पहले दी गई चेतावनियों को खारिज करने का आरोप लगाया। पाटिल ने कहा, ''राहुल लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं। ...आप जांच करने के बजाय उनसे हलफनामा दाखिल करने के लिए कह रहे थे। अब यह साबित हो गया है। देखते हैं कि निर्वाचन आयोग और भाजपा इस पर क्या कहते हैं।''

तेलंगाना, आंध्र की अगुवाई में पामतेल की खेती का रकबा बढ़कर 52,113 हेक्टेयर पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 52,113 हेक्टेयर क्षेत्र में पामतेल की खेती की है, जिसमें सबसे अधिक विस्तार तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में हुआ है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस वृद्धि के साथ, अगस्त 2021 में शुरू होने के बाद से राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन- पामतेल (एनएमईओ-ओपी) योजना के तहत पामतेल खेती का कुल रकबा 2,41,000 हेक्टेयर हो गया है। अब देश भर में इसका कवरेज 6,00,000 हेक्टेयर है।

कृषि मंत्रालय के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''तेल-पाम की खेती में तेजी आ रही है। वित्त वर्ष 2025-26 में 22 अक्टूबर तक इसका रकबा 52,113 हेक्टेयर तक पहुंच गया है।'' नए रकबे में आंध्र प्रदेश का हिस्सा 13,286 हेक्टेयर है, उसके बाद तेलंगाना का 12,005 हेक्टेयर है, जबकि शेष क्षेत्रफल छत्तीसगढ़, गोवा और गुजरात जैसे राज्यों का है। अधिकारी ने बताया कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के किसानों ने उच्च लाभ के लिए पाम तेल की खेती को अपनाया है और अक्सर इसे कोको एवं अन्य फसलों के साथ उगा रहे हैं। भारत वर्तमान में अंकुरित पाम तेल के बीजों का आयात करता है और खेतों में रोपाई से पहले 18 महीने तक नर्सरी में उगाता है। सरकार ने इस प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए इस साल बीज उद्यानों को मंजूरी दी है। एनएमईओ-ओपी के तहत 638.5 टन प्रति घंटे की क्षमता वाली 24 मिलों को मंजूरी दी गई है।

मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में दो लाख हेक्टेयर क्षेत्र में पाम तेल की खेती करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा और मिजोरम इस खेती में अग्रणी राज्य हैं।

कांग्रेस सांसद ने हमास की तुलना भगत सिंह से की, बाद में पलटे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने फलस्तीनी संगठन हमास की तुलना भगत सिंह से करके विवाद खड़ा कर दिया, हालांकि बाद में वह अपनी टिप्पणी से पलट गए। भाजपा ने इस मामले पर राहुल गांधी से माफी की मांग की और आरोप लगाया कि मसूद का बयान बिहारवासियों का अपमान है क्योंकि भगत सिंह का बिहार से नाता गहरा था। बयान पर विवाद खड़ा होने के बाद मसूद ने अपने बयान से पलटते हुए दावा किया कि उन्होंने कभी कोई तुलना नहीं की। उनका कहना था कि भगत सिंह 'शहीद-ए-आज़म' थे और उनकी किसी से तुलना नहीं की जा सकती। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से लोकसभा सदस्य ने विवादित टिप्पणी एक पॉडकॉस्ट में की। भाजपा नेता और इसके आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, '' बिहार चुनाव के समय कांग्रेस सांसद इमरान मसूद द्वारा भगत सिंह की तुलना आतंकी संगठन हमास से करना एक सुनियोजित रणनीति का हिस्सा है। यह बिहारियों का अपमान है। भगत सिंह का बिहार से नाता गहरा था।'' उन्होंने कहा, ''सेंट्रल असेंबली में बम फेंकने की घटना में उनके साथी बटुकेश्वर दत्त बिहार से थे।

भारत जल्दबाजी में या 'दबाव में आकर' व्यापार समझौते नहीं करता: गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्लिन/ नई दिल्ली/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत जल्दबाजी में या 'किसी तरह के दबाव में आकर' व्यापार समझौते नहीं करता है। गोयल ने कहा कि भारत की यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका सहित विभिन्न देशों एवं समूहों के साथ व्यापार समझौतों पर सक्रिय रूप से बातचीत जारी है।

गोयल ने जर्मनी में आयोजित 'बर्लिन संवाद' में कहा, ''हम यूरोपीय संघ के साथ सक्रिय बातचीत कर रहे हैं। हम अमेरिका से भी बात कर रहे हैं लेकिन हम जल्दबाजी में कोई समझौता नहीं करते और न ही कोई समयसीमा तय करके या फिर किसी तरह के दबाव में आकर कोई समझौता करते हैं।'' वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री इस संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए बर्लिन में हैं। यह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और जर्मन व्यवसायों की एक बैठक। उन्होंने कहा किसी भी व्यापार समझौते को दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। गोयल ने कहा कि भारत कभी भी जल्दबाजी या उकसावे में आकर कोई निर्णय नहीं लेता है। भारत अमेरिका में लगाए गए उच्च सीमा शुल्क से निपटने के लिए नए बाजारों की तलाश कर रहा है।

भारत के साथ दीर्घकालिक निष्पक्ष व्यापार समझौता शर्तों पर किए जाने के सवाल पर गोयल ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह निर्णय लिया है कि उसके मित्र कौन होंगे। यदि कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के मित्र नहीं हो सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता, तो यह भी स्वीकार्य नहीं है।'' उन्होंने कहा कि किसी देश से कोई भी विशेष उत्पाद खरीदने का निर्णय पूरी दुनिया का होगा। गोयल ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा, ''मैं आज के अखबार में पढ़ रहा था कि जर्मनी तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों से छूट मांग रहा है...ब्रिटेन ने पहले ही अमेरिका से तेल खरीदने के लिए छूट हासिल करने का तरीका तलाश लिया है या शायद उसे छूट मिल भी गई है...तो फिर भारत को ही क्यों निशाना बनाया जा रहा है।'' गोयल की यह टिप्पणी रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए भारत पर अमेरिका द्वारा बनाए जा रहे दबाव को देखते महत्वपूर्ण है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पिछले एक हफ्ते में कई बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत रूस से तेल खरीद बंद करने के लिए राजी है। हालांकि भारत ने इससे इनकार किया है।

झारखंड श्रम विभाग कर्नाटक में डूबे प्रवासी श्रमिक का शव लाने में पीड़ित परिवार की मदद करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी/सिमडेगा (झारखंड)। सिमडेगा जिला प्रशासन और झारखंड श्रम विभाग कर्नाटक के उडुप्पी में अरब सागर में डूबे एक प्रवासी श्रमिक के शव को लाने के वास्ते पीड़ित परिवार की मदद के लिए आगे आये हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिमडेगा की उपायुक्त कंचन सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उन्हें घुटाबहार पंचायत के आवारापानी पुराना टोली निवासी मनीष मांझी (38) के परिवार से आवेदन मिला कि पीड़ित (मांझी) मालपे हार्बर में मछली पकड़ने और बेचने वाली एक कंपनी में काम करते थे और मंगलवार रात अरब सागर में दुर्घटनावश डूब गये थे।

सिंह ने कहा, परिवार के सदस्यों ने दावा किया कि वह मछली पकड़ने वाली एक नौका कंपनी में काम करते थे और अपने गरीब परिवार का पालन-पोषण करने के लिए उन्हें पलायन करना पड़ा था। उन्हें दिवाली के दौरान अपने परिवार से मिलने के लिए मंगलवार को छुट्टी मिली थी और घर लौटने से पहले वह अपने दोस्तों से मिलने के लिए मछली पकड़ने वाली एक अन्य नौका पर सवार हुए तथा वह नौका से फिसलकर समुद्र में गिर गये। रात होने के कारण उनका शव नहीं मिल सका। झारखंड श्रम विभाग के अंतर्गत प्रवासी नियंत्रण प्रकोष्ठ का नेतृत्व करने वाली शिखा लाकड़ा ने कहा, साथी श्रमिकों ने उनकी तलाश करने की कोशिश की लेकिन देर रात होने के कारण वे असफल रहे और दो दिन बाद समुद्र में मनीष मांझी का शव मिला। पुलिस को सूचना दी गई और पुलिस ने शव बरामद कर लिया। राज्य प्रवासी नियंत्रण कक्ष ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पीड़ित के परिवार से संपर्क किया।

कर्नाटक में निवेश की मंजूरी में देरी पर सिद्दरामय्या ने अधिकारियों को चेताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को निवेश प्रस्तावों को मंजूरी देने में देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने की समय सीमा कम की जानी चाहिए।

सिद्दरामय्या ने विधानसभा भवन में निवेश को आकर्षित करने के लिए हुई बैठक में कहा, ''अधिकारी अदालत के आदेशों का बहाना बनाकर खाली न बैठें। यही आदेश पड़ोसी राज्यों के लिए भी है। अगर हम यही कहते रहेंगे कि जो दिक्कतें दूसरे राज्यों में नहीं होतीं, वे हमारे साथ हो रही हैं, तो कार्रवाई करनी पड़ेगी।'' मुख्यमंत्री कार्यलय के एक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि राज्य में निवेश के अनुकूल वातावरण को और मजबूत किया जाना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, ''भूमि उपयोग परिवर्तन की प्रक्रिया सहित विभिन्न एनओसी जारी करने की समय सीमा घटाई जानी चाहिए। समय सीमा घटाने के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए। किसी भी स्थिति में विलंब की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए।''

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और अग्निशमन विभाग से अनुमोदनों में देरी को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए, सिद्दरामय्या ने अनुमोदनों को तेज करने के लिए आवश्यक संशोधनों की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि विभागों को उद्योगों को आवश्यक बुनियादी ढांचा, जैसे सड़कें, पानी और बिजली, प्रदान करने में समन्वय करना चाहिए।

सिद्दरामय्या के अनुसार, इस वर्ष के वैश्विक निवेशक सम्मेलन में राज्य ने 10.27 लाख करोड़ रुपये के निवेश आकर्षित किए, जिसमें से लगभग 60 प्रतिशत निवेश पहले ही क्रियान्वयन के चरण में हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के पूंजी निवेश प्रस्ताव विभिन्न अनुमोदन चरणों में हैं।

मैं उपयुक्त व्यक्ति से ही बात करूंगा : शिवकुमार ने यतींद्र के बयान पर कहा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि वह इस संबंध में उपयुक्त व्यक्ति से ही बात करेंगे। वह मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के बेटे और विधान परिषद सदस्य यतींद्र सिद्दरामय्या के इस बयान पर टिप्पणी कर रहे थे कि राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली उनके पिता के समान प्रगतिशील विचारधारा वाले नेता हैं। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैं अभी कुछ नहीं बोलूंगा, लेकिन जिनसे बात करनी होगी, उनसे बात करूंगा।'' वह एक पत्रकार के उस सवाल का जवाब दे रहे थे कि यतींद्र को नोटिस क्यों नहीं दिया गया, जो नेतृत्व परिवर्तन के बारे में बोल रहे थे। यतींद्र ने बुधवार को बेलगावी जिले के चिक्कोडी में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था, ''वह (सिद्दरामय्या) अपने राजनीतिक करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। ऐसे समय में वैचारिक रूप से प्रगतिशील सोच रखने वालों का मार्गदर्शन और नेतृत्व करने के लिए एक नेता की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा था कि 'मंत्री सतीश जारकीहोली भी इसी तरह की प्रगतिशील विचारधारा वाले नेता हैं।'

हाल में कांग्रेस के दो विधायकों एच डी रंगनाथ और एच ए इकबाल हुसैन को उनके इस बयान के लिए नोटिस दिया गया था कि शिवकुमार को राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनना चाहिए। नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं के बीच यतींद्र के इस बयान से ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या वह अपने पिता के उत्तराधिकारी के बारे में बात कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पद में बदलाव की चर्चाओं के बीच सिद्दरामय्या लगातार दोहराते रहे हैं कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा थी।

समीक्षा बैठक

शुक्रवार को विधान सौधा में बेंगलूरु शहरी जिला क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले स्थानीय निकायों की प्रगति समीक्षा बैठक उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव तुषार गिरिनाथ, डीसीएम सचिव, बीएमआरडीए, बेंगलूरु केंद्रीय निगम आयुक्त राजेंद्र चोलन, बेंगलूरु शहर के उपायुक्त जगदीश, नगर प्रशासन विभाग के निदेशक प्रभुलिंग कवलकट्टी और अन्य उपस्थित थे।

किफायती अंग प्रत्यारोपण सेवा पर अधिक ध्यान : डॉ. पाटिल

मंड्या/दक्षिण भारत। राज्य सरकार राज्य को एक स्वस्थ कर्नाटक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। चिकित्सा शिक्षा, कौशल विकास, आजीविका मंत्री और रायचूर जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शरणप्रकाश आर. पाटिल ने यहां बीजी नगर में कहा कि हम अब अंग प्रत्यारोपण के तेज़ी से बढ़ते और आवश्यक क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। आदिचुंचनगिरी आयुर्विज्ञान संस्थान के एमबीबीएस और संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के छात्रों के लिए 2025 के प्रवेश कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद बोलते हुए, मंत्री ने मठ के प्रमुख डॉ. निर्मलानंदनाथ महास्वामीजी की उपस्थिति में सरकार द्वारा शुरू की गई कई पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हमने अपने गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और अंग प्रत्यारोपण संस्थान के माध्यम से पहले ही प्रमुख कार्यक्रमों को लागू कर दिया है। सरकारी संस्थानों में अंग प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। डॉ. पाटिल ने आगे कहा, निजी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण कराने में लाखों रुपये खर्च होते हैं। सरकार अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग करके इन उन्नत चिकित्सा सेवाओं को किफायती दामों पर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, अंग प्रत्यारोपण पारिस्थितिकी तंत्र को और मज़बूत करने के लिए, हम बेंगलूरु में इसी उद्देश्य से एक 10-मंजिला इमारत का निर्माण कर रहे हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: 17-CWS-MYSS-2025-26
दिनांक: 18.10.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मौजूदा जीआई पाइपलाइन को ऊर्जा कुशल एल्युमीनियम से प्रतिस्थापित करना।	रु. 32,94,010/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 10.11.2025, 15:30 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
उप मुख्य कार्यशाला व्यवस्थापक/केंद्र कार्यशाला/ मैसूरु
PUB/577/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं: 36 UBL 2025-26 दिनांक: 17.10.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	हुबली विभाग: चेंजिंग रूम और महिलाओं के लिए प्रत्येक शौचालय, स्टेशन मास्टर और पॉइंट्स-वुमेन रूम का प्रस्तावित निर्माण (कुल - 24 स्टेशनों)। (रखरखाव की अवधि 03 वर्ष)	रु. 2,76,32,347.00
2	हुबली विभाग: बाईरेदेवरकोप्पा (बीडीकेए) (पुराना अमरगोल स्टेशन) पर प्रस्तावित बॉलास्ट डिपो का निर्माण।	रु. 2,52,69,079.00
3	हुबली विभाग: हुबली-गदग विभाग: उप कार्य-1: पैसेंजर लूप लाईनों पर 13.625 टीकेएम लंबाई दूर के लिए टीआरआर (एस) कार्य। उप कार्य-2: हुबली-गदग (यूबीएल-जीडीजी) विभाग में 13.625 किमी. दूर के लिए स्लीपर घनत्व को बढ़ाना।	रु. 3,79,72,986.00
4	हुबली विभाग: हुबली-गदग (यूबीएल-जीडीजी) विभाग: केएनएनएल प्राधिकार उप विभाग - 02 हुविनहडगली के लिए हुलिकोटि-बिंकदकट्टी (एलकेटी-बीकेआईटी) स्टेशनों के बीच कि.मी. 49/630 पर डिपोसिट अवधि तहत आरएच गिर्डर / कट और कॉवर विधि अनुसार प्रीकास्ट आरसीसी सेग्मेंटल बॉक्स से कैनल क्रॉसिंग का निर्माण।	रु. 2,49,36,775.00
5	हुबली विभाग: हुबली-गदग (यूबीएल-जीडीजी) विभाग: हुबली-गदग (यूबीएल-जीडीजी) विभाग पर अन्निगेरी यार्ड (एनजीआर) में किमी. 36/0-010 पर नियमित ऊंचाई सबवे (एलएचएस) का निर्माण / विस्तार कार्य।	रु. 1,84,55,233.00
6	हुबली विभाग: हुबली-गदग (यूबीएल-जीडीजी) विभाग: बिजापुर-मुगलल्ली (बीजेपी-एमजीएल) विभाग में ओआरएन 3 के कारण आरएच गिर्डर / कट और कॉवर विधि अनुसार प्रीकास्ट आरसीसी सेग्मेंटल बाक्सों से ब्रिज नं. 33बी और 34ए (डाऊन लाईन) का पुनरनिर्माण।	रु. 1,60,07,327.00

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 14.11.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/समन्वय हुबली
PUB/573/AAMO/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

मोटरसाइकिल एवं बस की टक्कर में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

चिक्कबलापुर। कर्नाटक के चिक्कबलापुर जिले में एक मोटरसाइकिल के कथित तौर पर एक स्कूल बस से टकरा जाने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी शुक्रवार को दी। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान बालाजी (35), उनके बेटे आर्य (11), रिश्तेदार हरीश (12) और उनके रिश्तेदार वेंकटेशप्पा (50) के रूप में हुई है। सभी चिलकलनेरपु के रहने वाले थे और एक शादी में शामिल होने के लिए थलकायलाबेट्टा जा रहे थे। उन्होंने बताया कि बस छात्रों को छोड़कर लौट रही थी तभी यह हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना बृहस्पतिवार को केंचरलाहल्ली सीमा में बुरुदुगुंते के पास हुई, जब पांच लोगों को ले जा रही मोटरसाइकिल कथित तौर पर कोरलापर्थी से आ रही स्कूल बस से टकरा गई।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि परिवार के चारों सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बालाजी की बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

युवाओं को स्वामी विवेकानंद के संदेश से प्रेरणा लेनी चाहिए : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धारवाड़। स्वामी विवेकानंद चाहते थे कि भारत आध्यात्मिक रूप से जागृत, सांस्कृतिक रूप से सशक्त और आधुनिक प्रगति के साथ समृद्ध हो। युवाओं को स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को अपना जीवन मंत्र बनाना चाहिए और देश के विकास में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए, राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा। वे धारवाड़ के वीरशैव लिंगायत भवन में आयोजित कर्नाटक रामकृष्ण-विवेकानंद भावप्रचार परिषद के 11वें वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, यदि प्रत्येक युवा में स्वामी विवेकानंद जैसा आत्मविश्वास, त्याग और सेवा की भावना हो और वह अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों, नवाचार और राष्ट्रसेवा में लगाए, तो भारत एक बार फिर विश्वगुरु बन सकता है।

भारतीय संस्कृति का आधार सदैव आध्यात्मिकता और मानवीय मूल्य रहे हैं। इसे ऋषियों, मुनियों और मुनियों ने अपनी तपस्या, ज्ञान और योग साधना से और सुदृढ़ किया।

उन्होंने जीवन के हर पहलू को धर्म, करुणा और नैतिकता से जोड़ा। महर्षि पतंजलि ने योग को वैज्ञानिक रूप दिया, जिससे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन का मार्ग प्रशस्त हुआ। संत कबीर, गुरु नानक, तुलसीदास, मीराबाई, संत रविदास और संत बसवेश्वर, पुरंदर, कनकदास और अक्का महादेवी जैसे संतों ने समाज में प्रेम, समानता और एकता का संदेश फैलाया। ऋषियों, मुनियों और आचार्यों ने वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से मानवता को एक सूत्र में पिरोकर विश्व कल्याण का संदेश दिया। राज्यपाल ने मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता पैदा करने वाले इन महापुरुषों को स्मरण करते हुए कहा, उन्होंने भारतीय संस्कृति को अध्यात्म, नैतिकता और सद्भाव की दिशा दी और विश्व पटल पर धर्म, अध्यात्म और संस्कृति की ध्वजा फहराई।

गहलोत ने कहा, आज के युवाओं के लिए ज्ञान, तकनीक और अवसरों की कोई कमी नहीं है। उन्हें विवेकानंद के आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए और जीवन में अच्छे चरित्र, अनुशासन और सत्यनिष्ठा को अपनाना चाहिए। ऐसे समय में जब समाज में भौतिक प्रगति के साथ-साथ मानसिक अशांति भी बढ़ रही है, इन महापुरुषों के संदेश हमारा मार्गदर्शन कर सकते हैं। इस समारोह में मैसूरु में रामकृष्ण आश्रम के अध्यक्ष परम पावन स्वामी मुक्तिदानंद महाराज, रामकृष्ण आश्रम गदग-विजयपुरा के स्वामी निर्भयानंद सरस्वती, श्री जगद्गुरु मुरुसेविरा मठ के परम पावन डॉ. गुरुसिद्ध राजयोगिन्द्र महास्वामी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

एनसीसी महानिदेशक का कर्नाटक और गोवा निदेशालय का दौरा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स, वाईएसएम, एसएम, वीएसएम, 23 से 25 अक्टूबर तक कर्नाटक और गोवा निदेशालय के आधिकारिक दौरे पर हैं। 23 अक्टूबर को लेफ्टिनेंट जनरल वत्स ने एयर कमोडोर एसबी अरुण कुमार, वीएसएम, उप महानिदेशक, एनसीसी कर्नाटक और गोवा के साथ कर्नाटक सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. एमसी सुधाकर से मुलाकात की। बैठक में राज्य में एनसीसी गतिविधियों को मज़बूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें एनसीसी इकाइयों का विस्तार, प्रशिक्षण अवसंरचना का विकास, कैडेट कल्याण, वित्तीय प्रोत्साहन, और स्टाफिंग एवं वित्त पोषण में वृद्धि शामिल थी। चर्चाओं में युवाओं को सशक्त बनाने और विकसित भारत2047 के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के साझा दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया।

लेफ्टिनेंट जनरल वत्स ने निदेशालय के सभी ग्रुप कमांडरों के साथ गहन बातचीत भी की। इस बातचीत में राज्य भर में एनसीसी समूहों के कामकाज की व्यापक समीक्षा की गई, जिसमें विभिन्न इकाइयों के संचालन, प्रशासनिक और प्रशिक्षण संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई। महानिदेशक ने इन मुद्दों के समाधान और क्षेत्र में एनसीसी अभियानों की प्रभावशीलता को और बेहतर बनाने के लिए बहुमूल्य मार्गदर्शन और दिशा-निर्देश प्रदान किए। बाद में, महानिदेशक ने निदेशालय के कैडेटों, अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की और कैडेटों को एनसीसी के आदर्श वाक्य एकता और अनुशासन को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। लेफ्टिनेंट जनरल वत्स की यात्रा एनसीसी के प्रशिक्षण मानकों को बढ़ाने, कैडेट कल्याण को बढ़ावा देने और संस्थागत साझेदारी को मजबूत करने के निरंतर प्रयासों को दर्शाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि कोर युवा विकास और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बना रहे।

आईटीआई लिमिटेड
सीआईएन सं.: एल32202केए1950जीओआई000640
पंजीकृत एवं निगमित कार्यालय: आईटीआई भवन, दूरवाणी नगर, बेंगलूरू - 560 016
वेबसाइट: www.itiltd.in; ई-मेल: cosecy_crp@itiltd.co.in
टेलीफोन: +91(80)25617486; फैक्स: +91(80)25617525

75वीं वार्षिक आम बैठक, बहियां बंद करने तथा ई-वोटिंग की सूचना का नोटिस

वार्षिक आम बैठक

एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि आईटीआई लिमिटेड के सदस्यों की 75वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) का आयोजन मंगलवार, दिनांक 11 नवंबर, 2025 को पूर्वाह्न 11.30 बजे वीडियो कांफ्रेंस ("वीसी") / अन्य ऑडियो विजुअल माध्यम ("ओएवीएम") से किया जाएगा।

वार्षिक आम बैठक का नोटिस तथा वार्षिक रिपोर्ट:

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय तथा सेबी के परिपत्रों तथा उनके अध्याधीन लागू नियमों का अनुसरण करके वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट के साथ-साथ निर्धारित व्यवसाय संव्यवहारों का नोटिस इलेक्ट्रॉनिक्स स्वरूप में उन सदस्यों को दिनांक 17 अक्टूबर, 2025 को भेज दिया गया है जिनके ई-मेल पते कंपनी/डिपोजिटरी पार्टिसिपेंट (पार्टिसिपेंटों) के पास पंजीकृत हैं।

ई-वोटिंग की प्रक्रिया, वार्षिक आम बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग/अन्य आडियो विजुअल माध्यम से भाग लेने तथा शेयरधारकों द्वारा अपने ई-मेल पते का पंजीकरण करवाने की जानकारी से युक्त 75वीं वार्षिक आम बैठक के आयोजन का नोटिस तथा वर्ष 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट का संपूर्ण अंक कंपनी की वेबसाइट www.itiltd.in पर 'निवेशक' अनुभाग के अंतर्गत तथा नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड(एनएसडीएल) की वेबसाइट यथा https://www.evoting.nsdl.com एवं स्टॉक एक्सचेंजों यथा बीएसई लिमिटेड एवं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड की वेबसाइटों क्रमशः www.bseindia.com एवं www.nseindia.com पर अपलोड कर दिया गया है।

वार्षिक आम बैठक के दौरान रिमोट ई-वोटिंग तथा ई-वोटिंग:

कंपनी द्वारा अपने सदस्यों को रिमोट ई-वोटिंग एवं साथ ही वार्षिक आम बैठक के दौरान ई-वोटिंग के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक स्वरूप में अपना वोट देने की सुविधा उन सदस्यों के लिए प्रदान की जा रही है जो एनएसडीएल के ई-वोटिंग पोर्टल के माध्यम से रिमोट ई-वोटिंग द्वारा अपना वोट नहीं डाल सके हैं।

सदस्यों से यह अनुरोध है कि वे कृपया निम्नलिखित की ओर ध्यान दें:

i. भौतिक एवं डिमेट स्वरूप में शेयरों का धारण करने वाले सदस्यों के ई-मेल पते के पंजीकरण का विवरण एवं केवाईसी विवरण पंजीकरण किए जाने की विधि वार्षिक आम बैठक के नोटिस में दी गई है।
ii. रिमोट ई-वोटिंग अथवा वार्षिक आम बैठक के दौरान ई-वोटिंग की अर्हता का निर्धारण करने की अंतिम तिथि 04 नवंबर, 2025 है।
iii. केवल वही व्यक्ति रिमोट ई-वोटिंग / वार्षिक आम बैठक के दौरान ई-वोटिंग की सुविधा का लाभ उठाने के पात्र होंगे जिनके नाम कट-ऑफ तिथि अर्थात 04 नवंबर, 2025 को डिपोजिटरियों द्वारा अनुरक्षित सदस्यों के रजिस्टर / लाभग्राही स्वामियों के रजिस्टर में दर्ज होंगे।
iv. यदि कोई व्यक्ति नोटिस के प्रेषण के पश्चात परन्तु वोटिंग की कट-ऑफ तिथि अर्थात 04 नवंबर, 2025 से पूर्व कंपनी के शेयर प्राप्त करके सदस्य बना है तो वह ई-मेल पते evoting@nsdl.co.in पर अथवा नोटिस में दिए गए रजिस्ट्रार एवं शेयर ट्रांसफर एजेंट के पते पर अनुरोध भेजकर लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त कर सकता है और वार्षिक आम बैठक में भाग ले सकता है।
v. रिमोट ई-वोटिंग की अवधि शनिवार, दिनांक 08 नवंबर, 2025 को पूर्वाह्न 9.00 बजे से प्रारंभ होकर सोमवार, दिनांक 10 नवंबर, 2025 को सायं 5.00 बजे तक होगी।
vi. ऊपर उल्लिखित तिथि एवं समय के पश्चात सदस्य रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अपना वोट नहीं दे पाएंगे तथा एनएसडीएल द्वारा दिनांक 10 नवंबर, 2025 को सायं 5.00 बजे रिमोट ई-वोटिंग मोड्यूल बंद कर दिया जाएगा। एक बार वोट देने के पश्चात सदस्य अपने वोट में कोई बदलाव नहीं कर सकते हैं।
vii. ऐसे सदस्य, जिन्होंने अपना वोट बैठक के आयोजन से पूर्व रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से दिया है, भी एनएसडीएल की ई-वोटिंग वेबसाइट https://www.evoting.nsdl.com पर लॉगिन करके वीडियो कांफ्रेंसिंग / अन्य आडियो विजुअल माध्यम से बैठक में भाग ले सकते हैं परन्तु वे फिर से अपना वोट देने के पात्र नहीं होंगे।
viii. वार्षिक आम बैठक के आयोजन के दौरान ई-वोटिंग की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी तथा जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से अपना वोट नहीं दिया है वे बैठक के दौरान अपना वोट देने के पात्र होंगे।
ix. श्री डी वेंकटेश्वरलु, प्रेक्टिसिंग कंपनी सचिव को रिमोट ई-वोटिंग एवं वार्षिक आम बैठक के दौरान ई-वोटिंग की निष्पक्ष एवं पारदर्शी स्वरूप में स्कूटनी करने की सेवाएं सौंपी गई हैं।
x. वार्षिक आम बैठक के आयोजन के दौरान स्कूटनाइजर की रिपोर्ट के साथ वोटिंग के परिणाम घोषित किए जाएंगे तथा इन्हें कंपनी की वेबसाइट www.itiltd.in तथा एनएसडीएल की वेबसाइट https://www.evoting.nsdl.com पर भी जारी किया जाएगा। इसके साथ-साथ इसकी सूचना नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एवं बीएसई लिमिटेड, जहां कंपनी के शेयर सूचीबद्ध हैं, को भी वार्षिक आम बैठक के समापन के दो (02) दिन के भीतर भेज दी जाएगी।

बहियां बंद करने का नोटिस:

कंपनी अधिनियम एवं उसके अध्याधीन निर्मित लागू नियमों के अनुसरण में एतद्द्वारा यह नोटिस दिया जाता है कि कंपनी के सदस्यों का रजिस्टर दिनांक 05 नवंबर, 2025 से 11 नवंबर, 2025 (दोनों दिन सहित) के दौरान वार्षिक आम बैठक के आयोजन के उद्देश्य से बंद रखी जाएगी।

संपर्क विवरण:

ई-वोटिंग से संबंधित किसी भी प्रकार की पूछताछ / शिकायत के लिए श्री के. हरीश, मुख्य प्रबंधक, इंटीग्रेटिड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, नंबर 30 रामन्ना रेजिडेंसी, 04वाँ क्रॉस, संपिगे रोड, मल्लेश्वरम, बेंगलूरू - 560003, फोन नंबर 080-23460818, ई-मेल पता : irg@integratedindia.in अथवा श्री फाल्गुनी चक्रवर्ती, सहायक प्रबंधक, एनएसडीएल, ई-मेल पता : evoting@nsdl.co.in से संपर्क करें।

बोर्ड के आदेशानुसार
कृते आईटीआई लिमिटेड

स्थान : बेंगलूरु
दिनांक : 17 अक्टूबर 2025

वाई. सत्यन
कंपनी सचिव

केएसडीएल ने सरकार को 135 करोड़ का लाभांश सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कर्नाटक सोप्स एंड डिटर्जेंट्स लिमिटेड (केएसडीएल) ने शुक्रवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के अपने लाभ से लाभांश के रूप में राज्य सरकार को 135 करोड़ सौंपे। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी की ओर से, बड़े और मध्यम उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल और केएसडीएल के अध्यक्ष अप्पाजी नाडगौड़ा ने विधान सौधा के सम्मेलन कक्ष में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को चेक प्रदान किया। इस अवसर पर बोलते हुए, पाटिल ने कहा कि केएसडीएल ने पिछले वित्तीय वर्ष में 1,700 करोड़ का कारोबार किया और 451 करोड़ का लाभ दर्ज किया। नियमों के अनुसार, लाभ का 30 प्रतिशत लाभांश के रूप में सरकार को दिया गया है। उन्होंने कहा, यह कारोबार, लाभ और लाभांश के मामले में कंपनी के लिए एक सर्वकालिक रिकॉर्ड है।

वर्ष 2022-23 में, केएसडीएल ने राज्य सरकार को 54 करोड़ का लाभांश दिया था, और 2023-24 में 108 करोड़ का लाभांश दिया था। पिछले वर्ष की तुलना में, इस वर्ष के लाभांश में 27 करोड़ की वृद्धि देखी गई है। पाटिल ने कहा, आने वाले वर्षों में, इस राशि में और वृद्धि होने की उम्मीद है।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मंत्री केजे जॉर्ज, प्रियंक खरगे, डॉ. एमसी सुधाकर, संतोष लाड, उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव एस. सेल्वाकुमार और केएसडीएल के प्रबंध निदेशक डॉ. पीके प्रशांत उपस्थित थे।

बेंगलूरु से पनामा : वैश्विक रोबोटिक्स मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे सरकारी स्कूलों के 5 छात्र

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सरकारी स्कूलों के पांच छात्रों को 'फर्स्ट ग्लोबल चैलेंज' में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुना गया है। इसे रोबोटिक्स ओलंपिक भी कहा जाता है। इसका आयोजन 29 अक्टूबर से 1 नवंबर तक पनामा सिटी में किया जाएगा। दी गई जानकारी के अनुसार, स्टेम एजुकेशन ट्रस्ट वैश्विक रोबोटिक्स मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए इन छात्रों को भेज रहा है। इस संबंध में रेवा विश्वविद्यालय ने नवाचार और भविष्य के टेक थिंकर्स का जश्न मनाते हुए प्रेरणादायक समारोह का आयोजन किया।

इंडिया कोटिएंट के जनरल पार्टनर और स्टेम एजुकेशन ट्रस्ट के सह-संस्थापक गगन गोयल के निर्देशन में इस कार्यक्रम में न सिर्फ इनोवेशन, बल्कि समावेशन का भी जश्न मनाया गया। गगन गोयल ने कहा, 'ये बच्चे महीनों से लगातार काम कर रहे हैं। ये सीमित संसाधनों वाले परिवारों से आते हैं। इनकी उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। हमें उम्मीद है कि यह पहल भारत के सरकारी स्कूलों के और भी बच्चों को सपने देखने और नेतृत्व करने में सक्षम बनाएगी।' इन बच्चों के नाम निंगराज, परशुराम, अर्जुन, गौरेश और चंदन हैं।

राजनाथ सिंह ने भारत-पाक सीमा के पास सेना का 'थार शक्ति' अभ्यास का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को राजस्थान में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास भारतीय सेना के 'थार शक्ति' सैन्य अभ्यास का अवलोकन किया और जवानों के साहस, पराक्रम एवं समर्पण की सराहना की। सिंह ने अपने जैसलमेर दौरे के दूसरे दिन लोंगेवाला में इस अभ्यास का अवलोकन किया और यहां रेगिस्तान की रेत पर सैकड़ों जवानों ने आधुनिक युद्ध क्षमता का प्रदर्शन किया और अपना दमखम दिखाया। इस सैन्य अभ्यास में 'रोबोट डॉग', ड्रोन, 'एटॉर एन1200' जैसे उन्नत वाहन, अत्याधुनिक टैंक और हेलीकॉप्टर शामिल रहे, जिन्होंने भविष्य के युद्ध कौशल और गति-ताकत का अनोखा संगम दिखाया। सिंह ने सेना के अधिकारियों से बातचीत कर अभियानगत तैयारियों की जानकारी भी ली। उन्होंने 'एक्स' पर एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, राजस्थान के लोंगेवाला युद्ध स्मारक पर 1971 के युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार सुबह जैसलमेर जिले में तनोट माता मंदिर में पूजा की थी। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के शौर्य, निष्ठा और प्रतिबद्धता की सराहना की। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्री के साथ सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और 'बैटल एक्स' डिवीजन के कमांडर मेजर जनरल आशीष खुराना भी मौजूद थे। मंदिर में रक्षा मंत्री का स्वागत सीमा सुरक्षा बल के उप महानिरीक्षक जतिंदर सिंह बिन्जी, समादेष्टा नीरज शर्मा और सहायक समादेष्टा विकास नारायण सिंह ने किया। तनोट माता मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद रक्षा मंत्री ने महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया और मनसा माता मंदिर के पास स्थित खेजड़ी के पेड़ पर मनोकामना पूर्ण होने के लिए रुमाल बांधा।

उन्होंने 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान पाकिस्तान की ओर से तनोट माता मंदिर परिसर पर गिराए गए उन बमों को भी देखा, जिनमें से एक भी नहीं फटा था। सिंह ने कहा, तनोट माता के दर्शन कर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं और मेरा जीवन धन्य हो गया है।

तनोट माता मंदिर के दर पर राजनाथ सिंह ने टेका माथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जैसलमेर के दौरे पर हैं। वह शुक्रवार को जैसलमेर स्थित तनोट माता मंदिर गए और माता के दर्शन किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जैसलमेर के तनोट माता मंदिर में दर्शन कर आत्मिक शांति और आशीर्वाद का अनुभव हुआ। इस मंदिर की ऊर्जा अत्यंत अद्भुत और अलौकिक है।राजनाथ सिंह ने मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना की और देश की सुरक्षा एवं समृद्धि के लिए माता से आशीर्वाद मांगा। तनोट माता मंदिर का भारतीय सेना से गहरा ऐतिहासिक संबंध रहा है। 1965 और 1971 के भारत-पाक युद्धों के दौरान यह मंदिर सैनिकों के लिए आस्था और प्रेरणा का प्रतीक बना रहा। रक्षा मंत्री की यह यात्रा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रही बल्कि उन्होंने इसे देश की सीमाओं पर तैनात जवानों की अदम्य भावना और राष्ट्रभक्ति को समर्पित बताया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 23 अक्टूबर की शाम को राजस्थान के जैसलमेर पहुंचे थे। यहां उन्होंने सेना के बड़ाखाना के दौरान सैनिकों के साथ बातचीत की। इस मौके पर राजनाथ सिंह ने कहा कि अब भारत के खिलाफ कोई भी दुस्साहस करने से पहले पाकिस्तान को दो बार सोचना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारे सशस्त्र बलों ने ऑपरेशन 'सिंदूर' के तहत पाकिस्तान को कड़ी संदेश दिया है।

राजनाथ सिंह ने स्पष्ट किया कि ऑपरेशन सिंदूर अभी समाप्त नहीं हुआ है, केवल रुका हुआ है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि किसी भी दुस्साहस की स्थिति में उसे और भी कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। हमारे पायलटों ने सिर्फ भारत की ताकत का एक नमूना दिखाया है; यदि अवसर मिला तो वे हमारी असली क्षमता प्रदर्शित करेंगे।

राजनाथ सिंह ने इस बात पर जोर देते हुए कि देश के विरोधी कभी निष्क्रिय नहीं रहते हैं, सशस्त्र बलों से सदैव सतर्क एवं पूरी तरह तैयार रहने और उनकी गतिविधियों के विरुद्ध उचित व प्रभावी कदम उठाने का आह्वान किया। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2047 तक भारत को एक विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के सरकार के दृष्टिकोण को साकार करने में सशस्त्र बलों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिक केवल सीमाओं के रक्षक ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के अग्रदूत भी हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, यह सदी भारत की है, भविष्य हमारा है। आत्मनिर्भरता की दिशा में जो प्रगति हमने की है, उससे पूर्ण विश्वास है कि हमारी सेना निस्संदेह विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में अपना स्थान रखती है।

जैसलमेर बस हादसा : एसी में शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी थी चलती बस में आग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में चलती बस में आग एसी सिस्टम में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस भीषण बस अग्निकांड में 26 लोगों की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने बताया कि यह हादसा 14 अक्टूबर को उस समय हुआ था, जब जोधपुर जा रही एक निजी बस में जैसलमेर से रवाना होने के बमुश्किल दस मिनट बाद आग लग गई। उन्होंने बताया कि देखते ही देखते 19 यात्री जिंदा जल गए और 16 अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए थे।

अधिकारियों के मुताबिक, गंभीर रूप से घायलों में से एक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया जबकि कुछ पीड़ितों की बाद में मौत हो गई। जोधपुर और जयपुर की फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की संयुक्त रिपोर्ट में बस के अंदर किसी भी विस्फोटक या पटाखों की मौजूदगी से इनकार किया गया। जांचकर्ताओं ने पाया कि आग छत पर लगी एसी यूनिट से शुरू हुई, जिसकी वायरिंग सीधे इंजन से जुड़ी हुई थी।

एक अधिकारी ने बताया, वायरिंग से निकली चिंगारी से धुआं और कार्बन मोनोऑक्साइड बस के अंदर फैल गया, जिससे यात्रियों का दम घुटने लगा। जैसे ही खिड़की टूटी, ऑक्सीजन के अंदर आने से आग और विकराल हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, बस के टायर, डीजल टैंक और बस का निचला हिस्सा सही सलामत था, जिससे यह पुष्टि होती है कि आग ऊपरी हिस्से से लगी। अधिकारियों ने बताया कि सामान रखने वाले कंपार्टमेंट में मिले पटाखे पानी में भीगे हुए थे और उनका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं था। जैसलमेर के जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने बताया कि जांच में पता चला कि जिम्मेदार लोगों ने 'भारी लापरवाही और सुरक्षा नियमों का उल्लंघन' किया था। उन्होंने बताया कि बस मालिक, चालक और वाहन की बॉडी बनाने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पंप कर्मचारी को थप्पड़ मारने के मामले में आरएएस अधिकारी निलंबित

जयपुर। राजस्थान सरकार ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) के अधिकारी छोटू लाल शर्मा को निलंबित कर दिया है। शर्मा भीलवाड़ा के जसवंतपुरा इलाके में पेट्रोल पंप पर हुए विवाद के बाद एक कर्मचारी को थप्पड़ मारने की घटना के कारण विवाद में आए थे। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। अधिकारियों के अनुसार कार्मिक विभाग ने बृहस्पतिवार रात प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए निलंबन आदेश जारी किया।

प्रतापगढ़ में उपखंड अधिकारी (एसडीएम) के पद पर तैनात शर्मा को निलंबन अवधि के दौरान कार्मिक विभाग जयपुर से संबद्ध रहने का निर्देश दिया गया है। उल्लेखनीय है कि सीसीटीवी में कैद हुई उक्त घटना में अधिकारी पंप के कर्मचारी से बहस करते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनका आरोप था कि पहले आने के बावजूद उनके वाहन में पेट्रोल नहीं भरा जा रहा है।

श्रीमती इंदिरा देवी मांगीलाल अग्रवाल आदर्श विद्या मंदिर राष्ट्रभक्ति की भावना से ओत-प्रोत : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जोधपुर जिले के श्रीमती इंदिरा देवी मांगीलाल अग्रवाल आदर्श विद्या मंदिर सूरसागर विद्यालय भवन विस्तार कार्य का लोकार्पण समारोह शुक्रवार को संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल,राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, विधायक सूरसागर देवेन्द्र जोशी, विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष अवनीश भटनागर के मुख्य आतिथ्य और रामानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री पटेल ने कहा विद्या भारती संपूर्ण देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा युवा पीढ़ी को भारतीय संस्कारों और मूल्यों के अनुरूप शिक्षित करने के लिए सतत प्रयासरत है।

उन्होंने कहा विद्या मंदिर राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और नैतिक मूल्यों से ओत-प्रोत युवा पीढ़ी के निर्माण के केंद्र के रूप में कार्य कर रहे है। उन्होंने कहा यह संस्थान न केवल ज्ञान का प्रसार करते है, बल्कि राष्ट्र प्रेम और सेवा भावना को भी विद्यार्थियों के हृदय में जागृत करते हैं।

पटेल ने अग्रवाल परिवार और अन्य भामाशाहों के अमूल्य सहयोग की सराहना करते हुए कहा सभी दानदाताओं का योगदान चिरस्मरणीय है और इससे विद्या मंदिर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम प्राप्त करेगा। सांसद गहलोत ने कहा विद्या मंदिर जैसे संस्थान भारतीय शिक्षा प्रणाली के सच्चे प्रतीक हैं। यहां शिक्षा के साथ नैतिक मूल्यों और राष्ट्रनिष्ठा का भी समन्वय होता है, जिससे विद्यार्थी समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। विधायक जोशी ने कहा सूरसागर का यह विद्यालय क्षेत्र में ज्ञान और संस्कार दोनों का केंद्र है।

कार्तिक स्नान एवं छठ पूजन पर आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने दुरुस्त किये इंतजाम

जयपुर। कार्तिक स्नान एवं छट पूजन के लिए मंदिर ठिकाना गलता जी के मंदिरों में जिला प्रशासन ने आवश्यक व्यवस्था दुरुस्त की हैं। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी कार्तिक स्नान एवं छठ पूजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुविधा एवं आयोजन से जुड़े सभी इंतजामों के लिए जिम्मेदारी सौंपी है। 25 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक होने वाले आयोजन की समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार के नेतृत्व में नगर निगम, देवस्थान विभाग सहित अन्य अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया।

जिला कलक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने आयोजन के लिए उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम एवं उपखंड अधिकारी जयपुर उत्तर को समग्र प्रभारी और तहसीलदार जयपुर को सहायक प्रभारी नियुक्त किया गया है। इन्हें सभी विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए हैं।

प्रदेश की प्रत्येक बेटी को उच्च शिक्षा के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्राथमिकता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश की प्रत्येक बेटी उच्च शिक्षा प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें, जिससे राज्य महिला शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाईयों को छू सकें। इसी क्रम में राज्य सरकार द्वारा संचालित देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना प्रदेश की किशोरियों में उत्साह और जोश भरने का कार्य कर रही है। प्रदेश में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए देवनारायण छात्रा स्कूटी वितरण एवं प्रोत्साहन राशि योजना कॉलेज शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 2011-12 में आरम्भ की गई थी। इस योजना के तहत राजस्थान मूल की विशेष पिछडा वर्ग की वह छात्रा जिसने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड या केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12वीं परीक्षा में 50 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त किये तथा राजस्थान स्थित राजकीय महाविद्यालय, राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालय में स्नातक प्रथम वर्ष में नियमित अध्ययनरत है, उसे 12 वीं परीक्षा में प्राप्तांक प्रतिशत की वरीयता सूची के आधार पर स्कूटी प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री की पहल पर इस योजना के तहत प्रतिवर्ष निर्धारित लक्ष्य के अलावा अन्य समान कट ऑफ प्राप्तांक वाली छात्राओं को भी स्कूटी निःशुल्क वितरित की जाती है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए छात्रा के माता पिता/अभिभावक/संरक्षक/पति की वार्षिक आय 2.50 लाख रूपये से कम होनी चाहिए। वर्ष 2019-20 से प्रतिवर्ष 1500 स्कूटी वितरण का लक्ष्य निर्धारित था, जिसे राज्य सरकार द्वारा बढ़ाया गया है और अब वर्ष 2025-26 से 4 हजार 240 स्कूटियों का वितरण किया जाएगा।

ब्यावर में सड़क हादसा, एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत

जयपुर। राजस्थान के ब्यावर जिले में बृहस्पतिवार शाम हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि ब्यावर-मसूदा मार्ग पर यह हादसा तेज रफ्तार ट्रेलर और टैम्पो की आमने-सामने की टक्कर के कारण हुआ। इसमें दंपत्ति और उनके दो बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना खीमपुरा घाट के पास उस समय हुई जब परिवार भाई दूज मनाने के लिए महिला के मायके जा रहा था। उनके साथ यात्रा कर रहे दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। वृत्ताधिकारी (ब्यावर) राजेश कसाना ने बताया कि मृतकों की पहचान सेंदड़ा रोड स्थित गोविंदपुरा निवासी राजू काठा (35), उनकी पत्नी पूनम (33) और उनके बच्चों हिना (13) और अलीशा (11) के रूप में हुई है।

सरकार की योजनाओं की जानकारी लक्षित वर्ग तक पहुंचा कर पत्रकार कर रहे हैं समाज सेवा : बैरवा

जयपुर। लोकतंत्र में पत्रकारिता महत्वपूर्ण स्तम्भ है। सरकार की योजनाओं की जानकारी लक्षित वर्ग तक पहुंचाने और योजना क्रियान्वयन में किसी भी खामी, सुधार के सुझाव का फीडबैक सरकार तक पहुंचा कर पत्रकार समाज की सेवा करते हैं। राज्य सरकार पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए हरसम्भव कदम उठा रही है। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शुक्रवार को जयपुर में पिंकसिटी प्रेस क्लब के 34वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों एवं गणमान्य नागरिकों को यह बात कही। कार्यक्रम में उन्होंने पत्रकारिता जगत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकार बंधुओं को पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से सम्मानित किया। उन्होंने क्लब के गौरवशाली इतिहास को प्रदर्शित करती फ़ोटो प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर सिविल लाइंस विधायक और वरिष्ठ

पत्रकार गोपाल शर्मा, पिंकसिटी प्रेस क्लब के अध्यक्ष मुकेश मीणा, महासचिव मुकेश चौधरी,महात्मा गांधी मेडिकल विश्वविद्यालय के संस्थापक एम.एल. स्वर्णकार सहित क्लब के पदाधिकारी व गणमान्य जन उपस्थित रहे।

राजस्थान के पुष्कर में वार्षिक पुष्कर ऊँट मेला में ऊँट पालकों का एक परिवार।

हर जिले में राज्य सरकार ने शुरू की 'गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना'

जयपुर/दक्षिण भारत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के सिद्धांत पर चलते हुए प्रदेश में आकांक्षी जिलों और आकांक्षी ब्लॉक्स का समावेशी एवं सतत विकास सुनिश्चित हो रहा है। प्रधानमंत्री की इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रदेश के सभी 41 जिलों के एक-एक ब्लॉक में गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना भी शुरू की है। अविकसित जिलों के उत्थान के लिए जनवरी, 2018 में आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) 112 जिलों में शुरू किया गया। केंद्र सरकार एवं नीति आयोग द्वारा संचालित यह कार्यक्रम नागरिकों के सामाजिक-आर्थिक जीवन स्तर को ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत राजस्थान के पांच जिलों बारां, धौलपुर, जैसलमेर, करौली और सिरोही में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशन एवं कौशल विकास और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम डेटा पर संचालित होता है, जिससे चिन्हित जिलों की प्रतिमाह डेल्टा रैंकिंग निकाली जाती है। 49 संकेतकों के आधार पर कार्य की निगरानी और मूल्यांकन कर अच्छा प्रदर्शन करने वाले जिलों को पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है।

इसके तहत अब तक बारां को 17.51 करोड़ रुपये, धौलपुर को 15.82 करोड़, जैसलमेर को 9.62 करोड़, करौली को 9.05 करोड़ और सिरोही को 4.81 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्राप्त हो चुकी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने की दिशा में समग्र और समावेशी विकास की भावना से गुरु गोलवलकर आकांक्षी ब्लॉक विकास योजना की शुरूआत की तथा इसके सफल क्रियान्वयन के संबंध में 27 मार्च, 2025 को विशेष दिशा-निर्देश जारी किए। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक जिले से एक ब्लॉक का चयन किया गया है।

राजद की करारी हार के साथ 14 नवंबर को मनाई जाएगी 'असली दिवाली' : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीवान/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि बिहार में 'असली दिवाली' 14 नवंबर को तब मनाई जाएगी, जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और उसके सहयोगी दल विधानसभा चुनावों में करारी हार का सामना करेंगे।

सीवान जिले में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने लालू प्रसाद यादव नीत पार्टी पर जमकर निशाना साधा और कहा कि राजद ने माफिया से नेता बने मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को रघुनाथपुर सीट से उम्मीदवार बनाकर यह साबित कर दिया है कि वह फिर से 'जंगलराज' लौटाना चाहता है। शाह ने कहा, ''सीवान की जनता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शहाबुद्दीन के बेटे की चुनाव में करारी हार हो। लालू-राबड़ी के जंगलराज को सीवान की जनता ने 20 साल तक भुगता है। मुझे पूरा विश्वास है कि 14 नवंबर को जब चुनाव परिणाम आएंगे, तब बिहार की जनता असली दिवाली मनाएगी और राजद गठबंधन की अपमानजनक हार होगी।'' गृह मंत्री ने यह भी दावा किया कि बिहार में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन पूरी तरह बिखर चुका है।

कांग्रेस की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, ''राहुल गांधी कहते हैं कि घुसपैठिये यहीं रहें, लेकिन बिहार में एक भी घुसपैठिया नहीं रहने दिया जाएगा।'' केंद्रीय गृह मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुए राष्ट्रीय सुरक्षासे जुड़े फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा, ''मोदी जी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया, और पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर चलाकर पाकिस्तान की धरती पर आतंक के ठिकानों को ध्वस्त किया। यह है मजबूत नेतृत्व।'' राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, ''लालू ने सिर्फ घोटाले किए- चारा घोटाला, जमीन के बदले नौकरी घोटाला, बिहार लोकसेवा आयोग (बीपीएससी) भर्ती घोटाला... और उन पर आय से अधिक संपत्ति का भी मामला दर्ज है।''

बक्सर में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए शाह ने जंगलराज को लेकर राजद पर निशाना साधा। शाह ने कहा, ''लालू प्रसाद ने शहाबुद्दीन के बेटे (ओसामा शहाब) को टिकट देकर यह साबित कर दिया है कि वे बिहार में फिर से जंगलराज लाना चाहते हैं। राजद जहां अपराधियों के परिजनों को टिकट देती है, वहीं राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी आनंद मिश्रा जैसे उम्मीदवारों को उतारता है। दोनों गठबंधनों के बीच यही फर्क है।'' शाह ने कहा, ''नीतीश कुमार ने बिहार को पटरी पर लाने की कोशिश की है और मोदी जी ने पिछले दस वर्षों में राज्य का पोषण किया है। मैं छठी मइया से प्रार्थना करता हूं कि वह बिहार की जनता को आशीर्वाद देती रहें ताकि जंगलराज की वापसी न हो।''

संभल के प्राचीन मनोकामना मंदिर को नई पहचान दिलाने की पहल : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पर्यटन विभाग ऐतिहासिक नगरी संभल के प्राचीन मनोकामना मंदिर को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने जा रहा है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार, संभल जिले के प्राचीन तीर्थस्थलों और कुओं के संवर्धन अभियान के तहत उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम प्राचीन मनोकामना मंदिर के समग्र विकास की ओर अग्रसर है और इस योजना पर 1.71 करोड़ रुपए की धनराशि खर्च होगी। सिंह ने बताया कि संभल जिला प्राचीन इतिहास और पौराणिक परंपराओं से समृद्ध क्षेत्र रहा है। राज्य सरकार जिले में कूपों, देव स्थलों और प्राचीन मंदिरों के संरक्षण व सौंदर्यीकरण के लिए व्यापक प्रयास कर रही है तथा इसी शृंखला में अब 141 वर्ष पुराने मनोकामना मंदिर के आसपास पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जाएगा ताकि श्रद्धालुओं व पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सके। मंत्री ने बताया, पौराणिक मान्यता है कि भगवान विष्णु का 10वां अवतार कल्कि संभल में जन्म लेगा। संभल के प्रसिद्ध मनोकामना मंदिर परिसर में एक प्राचीन कुंड भी है, जो हनुमान मंदिर, राम जानकी मंदिर और देवजी मंदिर जैसे कई अन्य छोटे मंदिरों से घिरा है।

रेल की पटरी के पास सेल्फी लेने और रील बनाने वालों को चेतावनी देने के लिए अभियान शुरू

भुवनेश्वर/भाषा। पूर्व तट रेलवे (ईसीओआर) ने रेलवे पटरियों या उसके आस पास, चलती ट्रेनों के पायदानों या ट्रेन के छतों पर सेल्फी लेने, वीडियो शूट करने या रील बनाने जैसी खतरनाक एवं अवैध प्रवृति के खिलाफ चेतावनी देने के लिये एक अभियान शुरू किया है। एक बयान में इसकी जानकारी दी गयी है। आधिकारिक बयान में रेलवे अधिकारियों ने कहा है कि ऐसे कृत्य जानलेवा होने के साथ रेलवे अधिनियम 1989 के तहत दण्डनीय अपराध भी हैं। ईसीओआर ने यह चेतावनी 15 वर्षीय बिश्वजीत साहू की मौत के दो दिन बाद फिर से जारी की है जिसकी पुरी में पटरी के पास वीडियो रिकॉर्ड करते समय ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई थी। ईसीओआर ने बृहस्पतिवार को जारी बयान में कहा कि ट्रेन की पटरी, स्टेशन परिसर और चलती ट्रेनें उच्च जोखिम वाले परिचालन क्षेत्र हैं न की मनोरंजन वीडियो के लिए। बयान के अनुसार इन स्थानों पर अवैध रूप से प्रवेश करना या स्टंट करना जान के लिए एक बड़ा खतरा और घोर आपराधिक लापरवाही का कार्य है। ईसीओआर ने कहा कि रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) को उल्लंघनकर्ताओं के प्रति 'शून्य सहिष्णुता' की नीति अपनाने का निर्देश दिया गया है।

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' सत्ता का भूखा, राजग बिहार के लोगों की सेवा के लिए उत्सुक : सिंधिया

वडोदरा/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की दिलचस्पी केवल बिहार में सत्ता हासिल करने में है जबकि भाजपा नीत राजग राज्य के लोगों की सेवा करने के लिए उत्सुक है। बिहार में विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत का विश्वास जताते हुए भाजपा नेता ने कहा कि विपक्षी दलों के राज्य स्तरीय महागठबंधन में बंधन का अभाव है। संचार मंत्री ने यह टिप्पणी गुजरात के वडोदरा में बातचीत के दौरान की। वह नर्मदा जिले के एकता नगर में आयोजित 'ग्रामीण डाक सेवा सम्मेलन' में भाग लेने के लिए रवाना हुए। सिंधिया ने कहा, वे इसे महागठबंधन कहते हैं। लेकिन, उस गठबंधन में कोई बंधन नहीं है। उनका एकमात्र उद्देश्य (बिहार में) सत्ता हासिल करना है। दूसरी ओर, राजग लोगों की सेवा करने के लिए उत्सुक है। दोनों गठबंधनों के बीच यही मुख्य अंतर है। उन्होंने कहा कि राजग के घटक दल, भाजपा, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाला जनता दल (यूनाइटेड) और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) सहित अन्य दल बिहार के लोगों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता में एकजुट हैं।

'इंडि' गठबंधन मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करता है : चिराग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडि' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर आरोप लगाया कि विपक्ष मुसलमानों को सिर्फ वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करता है, और उनके वास्तविक प्रतिनिधित्व से हमेशा किनारा करता है।

पटना में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पासवान ने कहा, 'इंडि' गठबंधन यादवों और सहनी समाज के नाम पर राजनीति कर रहा है, लेकिन मुसलमानों की बात वह केवल वोट के समय करता है। मुसलमानों की जनसंख्या बिहार में लगभग 18 फीसदी है, फिर भी 'इंडिया' गठबंधन ने किसी मुस्लिम नेता को मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री या किसी प्रमुख पद का उम्मीदवार नहीं बनाया। उन्होंने कहा, तेजस्वी यादव, यादव समाज से हैं, जिनकी आबादी करीब 13% है, जबकि मुकेश सहनी, साहनी समाज से आते हैं, जिनकी आबादी लगभग 2% है। लेकिन 18% मुस्लिम आबादी के बावजूद, मुसलमानों को सत्ता की भागीदारी से वंचित रखा गया है। ये लोग सिर्फ मुसलमानों को डराकर और भावनात्मक मुद्दों पर भड़का कर वोट लेना जानते हैं, उन्हें असली प्रतिनिधित्व देने की उनकी नीयत कभी नहीं रही। पासवान ने वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा सहनी समाज के नाम पर राजनीति करने वाले मुकेश सहनी ने अपने समाज को भुला दिया है।

नीतीश के नेतृत्व में राजग सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ेगा : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

समस्तीपुर/बेगूसराय/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बिहार में अपने चुनावी अभियान का आगाज करते हुए महागठबंधन पर तीखा हमला बोला और इसे ''महालठबंधन'' करार दिया तथा यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगा। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि इन दलों के नेता ''सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित होने के बाद शुक्रवार को अपनी पहली जनसभा समस्तीपुर में की। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय में भी एक जनसभा को संबोधित किया। बिहार में महागठबंधन के नाम से जाने जाने वाले विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) पर कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे ''महालड्डबंधन'' करार दिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन के दो सबसे बड़े घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं'' और दशकों से सत्ता से बाहर रहने के बावजूद वे इतने अहंकारी हैं कि वे झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) जैसे गठबंधन सहयोगियों को नजरअंदाज कर रहे हैं और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) को धोखा दे रहे हैं।

मोदी ने कहा कि वीआईपी को सीटों में उचित हिस्सा नहीं मिला, लेकिन उसके संस्थापक मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री का पद देने का वादा किया गया है। महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव पर परोक्ष तौर पर निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''बिहार के लोग उन लोगों पर भरोसा नहीं कर सकते जो जमानत पर छूटे हुए लोग हैं।''

तेजस्वी यादव का नाम उनके पिता एवं राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद के साथ ''नौकरी के लिए जमीन घोटाले'' में आया है। मोदी ने दोनों जनसभाओं में मौजूद लोगों से अपने मोबाइल फोन की लाइट जलाने को कहा और फिर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''जब सभी लोगों के पास ऐसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, तो लालटेन की कोई जरूरत नहीं है।''

बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होगा, जिसके नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि राजग सरकार का जोर बिहार में निवेश बढ़ाने पर है।

भाजपा ने नीतीश को 'हाईजैक' किया, राजग जीती तो नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और महागठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ''हाईजैक'' कर लेने का आरोप लगाया और दावा किया कि अगर बिहार में एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनी, तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।

सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन की सरकार बनने पर मुकेश सहनी के अलावा अन्य समाज और धर्म के लोगों को भी उप मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा जाएगा तथा इस बारे में जल्द घोषणा की जाएगी। महागठबंधन ने तेजस्वी को मुख्यमंत्री और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के संस्थापक सहनी को उप मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है। राजद नेता ने दावा किया, ''अमित शाह पहले ही कह चुके हैं कि चुनाव के बाद विधायक तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। स्पष्ट हो गया है कि अगर राजग को सत्ता मिली, तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाएगा।''

उन्होंने भाजपा पर नीतीश को ''हाइजैक'' करने का आरोप लगाया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह का नाम लिए बगैर दावा किया कि ''गुजरात के दो लोग'' बिहार चला रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि वे सत्ता में आने पर स्वच्छ, जवाबदेह और जनोन्मुखी सरकार देंगे। उन्होंने कहा, ''हम एक ऐसी सरकार देंगे जो जनता की शिकायतें सुनेगी, गरीबों को सस्ती दवाइयां देगी और युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराएगी।''

उन्होंने कहा, ''एक बिहारी के रूप में मुझे दुख होता है कि मेरा राज्य आज भी गरीब है। बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। 20 साल से बिहार में राजग की सरकार और 11 साल से केंद्र में राजग है, फिर भी बिहार की प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है, किसान गरीब हैं और श्रमिकों की हालत बदतर है।''

युवाओं को रोजगार से जोड़ना केंद्र व राज्य सरकार की प्राथमिकता : अनुप्रिया पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने शुक्रवार को कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार से जोड़ना केंद्र व राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के 40 स्थानों पर 17वें रोजगार मेले को संबोधित किया। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में भी रोजगार मेले का आयोजन किया गया। अनुप्रिया पटेल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में कौशल विकास और रोजगार सृजन को लेकर अनेक योजनाएं प्रभावी रूप से जारी हैं।

पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के दिए मंत्र नागरिक देवो भव: को लेकर चलना चाहिए क्योंकि ये सरकारी नौकरी सिर्फ रोजगार नहीं बल्कि देश निर्माण में योगदान का माध्यम है। इस सरकारी नौकरी को पाने के बाद आप सभी यह प्रयास करें कि देश का कोई भी नागरिक अगर आपके पास आता है तो उसकी अपेक्षाओं को बेहतर ढंग से आप पूरा कर सके क्योंकि हम नागरिकों को बेहतर सेवाएं देकर ही काम में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं। बयान के मुताबिक, इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए 300 से अधिक प्रतिभागियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए, जिनमें से 25 प्रतिभागियों को केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने नियुक्ति पत्र सौंपे। केंद्रीय मंत्री ने उल्लेख किया कि विश्व के कार्यबल में भविष्य में लगभग 24% की हिस्सेदारी भारत के युवाओं की होगी। उन्होंने कहा कि जब केंद्र सरकार द्वारा इस रोजगार मेले की शृंखला को प्रारंभ किया था तो 10 लाख सरकारी नौकरी देने का लक्ष्य निर्धारित किया था।

अनुप्रिया ने कहा, हम उस लक्ष्य को पूरा भी कर चुके हैं और मुझे ये बताते हुए खुशी हो रही है कि हम इससे आगे भी निकल चुके हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों से छठ को समर्पित गीत साझा करने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों से छठ पर्व पर आधारित गीत साझा करने का शुक्रवार को आग्रह किया। दिवाली के छह दिन बाद मनाया जाने वाला छठ पर्व सूर्य देव और छठी मैया की उपासना को समर्पित है।

मोदी ने नागरिकों से छठी मैया को समर्पित गीत साझा करके भक्ति और सांस्कृतिक एकता की भावना से जुड़ने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रकृति और संस्कृति को समर्पित महापर्व छठ आने वाला है। बिहार सहित देशभर में इसकी तैयारियों में श्रद्धालु पूरे भक्ति-भाव से जुट चुके हैं।''

उन्होंने कहा, ''छठी मइया के गीत इस पावन अवसर की भव्यता और दिव्यता को और बढ़ाने वाले होते हैं। आपसे आग्रह है कि आप भी छठ पूजा से जुड़े गीत मेरे साथ साझा करें। मैं अगले कुछ दिनों तक इन्हें सभी देशवासियों के साथ साझा करूंगा।''

सरकारी बंगले से जबरन निकाला गया, जाति के आधार पर निशाना बनाया गया : उदित राज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि मामला अदालत में विचाराधीन होने के बावजूद अधिकारियों ने उनके परिवार को नई दिल्ली के पंडारा पार्क स्थित बंगले से जबरन निकाल दिया। इस संबंध में सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। संबंधित बंगला पूर्व सांसद की पत्नी एवं सेवानिवृत्त आईआरएस अधिकारी सीमा राज को आवंटित था। सीमा राज ने कहा कि उन्होंने इस वर्ष 31 मई तक के लाइसेंस शुल्क का भुगतान कर दिया था।

पूर्व सांसद ने पीटीआई-वीडियो से कहा, ''आप देख सकते हैं कि सामान घर से बाहर फेंका जा रहा है। मामला विचाराधीन है, और अगली सुनवाई 28 अक्टूबर को है। तीन या चार दिन में और क्या फर्क पड़ जाता?'' उन्होंने कहा कि वह अदालत के फैसले का पालन करेंगे, लेकिन यह ''उत्पीड़न'' दलितों और गरीबों की आवाज बनने की ''सजा'' है। उदित राज ने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई में निचली जाति के एक विपक्षी नेता को निशाना बनाया गया, जबकि ''उच्च जाति के कई लोग अब भी सरकारी बंगलों पर कब्जा किए हुए हैं''।

उन्होंने कहा, ''मैंने (केंद्रीय मंत्री) मनोहर लाल खट्टर से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका। कोई भी उच्च अधिकारी फोन पर उपलब्ध नहीं है। कोई भी मुझे कुछ नहीं बता रहा है।''

महिला क्रिकेट में अग्रणी देश बन सकता है भारत : डिवाइन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नवी मुंबई/भाषा। न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने भारत के खिलाफ अपनी टीम की हार के बाद कहा कि महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) को कैलेंडर में जगह मिलने से भविष्य में भारत महिला क्रिकेट के मामले में अग्रणी देश बन सकता है।

अपने पांचवें विश्व कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी करने वाली डिवाइन रविवार को वनडे से संन्यास ले लेंगी, क्योंकि उनकी टीम गुरुवार को यहां भारत से बड़ी हार के साथ सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

न्यूजीलैंड में घरेलू क्रिकेट में सुधार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''हमें यथार्थवादी होना होगा कि ये चीजें रातोंरात नहीं होतीं। हम भारत की तरह नहीं हैं। हमारे पास एक अरब लोग नहीं हैं जिनसे संपर्क किया जा सके। हम वास्तव में दुनिया के सबसे निचले पायदान पर स्थित एक छोटा सा

देश हैं, जिसकी आबादी पांच करोड़ है।'' डिवाइन ने कहा, ''यहां एक अरब लोग हैं और यहां जिस तरह से घरेलू क्रिकेट पर काम हो रहा है वह न्यूजीलैंड में हमारे काम करने के तरीके से बहुत भिन्न है।'' उन्होंने कहा, ''मैं महिला क्रिकेट के भविष्य को लेकर बेहद उत्साहित हूं। यहां जिस तरह से महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए काम किया जा रहा है उससे मुझे लगता है कि भारत महिला क्रिकेट में अग्रणी देश बन सकता है। हमने डब्ल्यूपीएल में महिला क्रिकेट के प्रति लोगों की दिलचस्पी को अच्छी तरह से देखा है।'' डिवाइन ने कहा कि उनके लिए संन्यास लेने का फैसला करना इसलिए आसान हो गया क्योंकि उन्हें पता है कि न्यूजीलैंड के पास अच्छी बेंच स्ट्रेंथ है। उन्होंने कहा, ''जब आप इज्ली (इसाबेल गेज), ब्रुक (हैलिडे), मेली केर (अमेलिया केर) और ईडन कार्सन जैसी खिलाड़ियों के बारे में सोचते हैं, जिस तरह से वे वास्तव में खुद को निखार रहे हैं, उसे देखते हुए मेरे लिए संन्यास लेने का फैसला करना आसान हो गया।'' डिवाइन इस अवसर पर भावुक भी हो गई थी क्योंकि उनकी टीम सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही।

सुविचार

जीवन का सफर है अनमोल, हर पल को जीना है खुलकर। सीखते रहो, बढ़ते रहो, नई ऊंचाइयों को छूओ।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आग का गोला क्यों बन रहीं बसें?

एक और बस हादसा हो गया। फिर एक बस आग का गोला बन गई। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में कई लोगों ने इस हादसे में जान गंवा दी। किसने सोचा था कि बस का यह सफर उनके परिवारों को दु:खद यादें दे जाएगा! देश में बार-बार हो रहे ऐसे हादसे स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि बसों में सुरक्षा संबंधी इंतजामों को बेहतर बनाने की जरूरत है। नेताओं के शोक प्रकट करने और मुआवजे की घोषणा कर देने से ही काम नहीं चलने वाला है। हर व्यक्ति अपने परिवार के लिए अनमोल है। सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे नागरिकों के सफर को सुरक्षित बनाएं। हाल में राजस्थान के जैसलमेर में एक बस में आग लगने से दो दर्जन से ज्यादा लोग जिंदा जल गए थे। आखिर क्या वजह है कि ऐसे हादसों में बसें इतनी जल्दी आग पकड़ लेती हैं? प्राय: इन हादसों के पीछे शॉर्ट सर्किट एक बड़ी वजह बताई जाती है। पुराने वाहनों को एसी में तो अपग्रेड कर दिया जाता है, लेकिन वायरिंग की ओर ध्यान नहीं दिया जाता। अगर इलेक्ट्रिकल दोष को समय रहते दूर कर दिया जाए तो इतने बड़े हादसे ही न हों। इंजन और एसी यूनिट के पास कमजोर गुणवत्ता वाला या खुला तार किसी भी समय हादसे की वजह बन सकता है। भारतीय बसों के अंदर इस्तेमाल होने वाली सामग्री की ओर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। सीटों, पैनलिंग, पर्दों, मैट्रेस आदि में अग्निरोधी सामग्री का इस्तेमाल होना चाहिए। अभी जो सामग्री लगाई जा रही है, वह बहुत जल्दी आग पकड़ लेती है, जिससे ज्यादा जनहानि होती है।

इन बसों में 'आपात द्वार' तो दिख जाते हैं, लेकिन वे जरूरत पड़ने पर अवरुद्ध हो जाते हैं। ऐसे आपात द्वार किस काम के हैं? जैसलमेर बस हादसे के बाद यात्रियों ने शिकायत की थी कि वे बड़ी मुश्किल से बाहर निकल सके थे, क्योंकि बस में एक ही द्वार था। कुरनूल बस हादसे में भी कई यात्रियों को खिड़कियों से नीचे कूदना पड़ा था। अगर आसानी से खुलने वाला आपात द्वार होता तो इतने बड़े नुकसान को टाला जा सकता था। कई बसों में क्षमता से ज्यादा यात्री होते हैं। उनमें पांव रखने के लिए भी जगह नहीं होती, लेकिन चालक एवं परिचालक यह कहते हुए और ज्यादा यात्रियों को भरते रहते हैं कि 'आइए, इसमें बहुत जगह है।' ग्रामीण क्षेत्रों में चलने वाले वाहनों की स्थिति तो और ज्यादा खराब है। वहां बस अंदर से इतनी भर जाती है कि तिल रखने की भी जगह नहीं रहती। उसके बाद यात्रियों को छत के ऊपर बैठाया जाता है। जब वहां भी जगह नहीं बचती तो बाकी यात्रियों को पीछे लटकने के लिए कह दिया जाता है। कई बार तो वाहन का सिर्फ अगला हिस्सा छोड़ दिया जाता है, ताकि चालक रास्ता देख सके। अंदर, ऊपर, पीछे, दाएं, बाएं – कहीं जगह नहीं बचती। उस समय हादसा होने की कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं। ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। सभी वाहनों में अग्निशमन यंत्र जरूर होना चाहिए। इसके लिए अभियान चलाया जाए। जिन बसों, कारों, ट्रकों आदि में यह यंत्र नहीं है, उनके चालकों को इसे लगाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। वाहन हादसों की एक और बड़ी वजह है– पुलिस में भ्रष्टाचार। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो वायरल होते रहते हैं, जिनमें कई पुलिसकर्मी वाहन चालकों से रिश्वत लेते दिखाई देते हैं। सरकार को चाहिए कि वह पुलिस व्यवस्था में भ्रष्टाचार के मामलों पर सख्ती दिखाए। जिम्मेदार कर्मी को निलंबित करना, फटकार लगा देना कोई सजा नहीं होती है। भ्रष्टाचारियों को सेवा से बर्खास्त कर जेल भेजने से ही सुधार की उम्मीद की जा सकती है।

ट्वीटर टॉक

एड गुरु के नाम से विख्यात, पद्मश्री पीयूष पांडे जी का निधन अत्यंत दुःखद है। दशकों तक विभिन्न विज्ञापनों के दम पर उन्होंने अपनी प्रतिभा की गहरी छाप छोड़ी, तथा क्रिएटिविटी के आयाम स्थापित किए। पीयूष जी के परिवार एवं प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ।

–ओम बिरला

दिल्ली प्रस्थान से पूर्व जोधपुर एयरपोर्ट पर जालोर विधायक एवं राज्य सरकार के मुख्य सचेतक श्री जोगेश्वर गर्ग से आत्मीय मुलाकात हुई। संयोगवश आज उनका जन्मदिवस भी है, जिसकी उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। जोधपुर शहर विधायक श्री अतुल भंसाली भी साथ रहे।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की 129वीं बोर्ड बैठक की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश में जारी विभिन्न विकास परियोजनाओं तथा आरएसआरडीसी की वित्तीय स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। प्रदेश के आमजन को बेहतर परिवहन सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

–दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

परमहंस का निर्मल मन

ब्रह्म समाज के अनुयायी केशवचंद्र, जो कि रामकृष्ण परमहंस के साथ मतभिन्नता रखते हुए भी उनके बड़े श्रद्धालु थे, उनके चरणों की धूल तक श्रद्धा भाव से लेते थे। एक बार केशवचंद्र बीमार पड़ गए। जब रामकृष्ण परमहंस को यह समाचार मिला, तो वे केशवचंद्र से मिलने उनके घर गए। उन्होंने केशवचंद्र के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए काली माता से प्रार्थना की। केशवचंद्र की रुग्णावस्था को देखकर रामकृष्ण परमहंस की आंखों में आंसू भर आए। अश्रुपूरित आंखों और अवरुद्ध कंठ से उन्होंने कहा, 'बरसाई गुलाब के पौधे में बड़े फूल पैदा करने के लिए माली कभी-कभी उसे काट-छांट कर उसकी जड़ तक मिट्टी निकालता है, ताकि धूप और ओस उसे खिलाने में मदद करें। इसी तरह माली (ईश्वर) ने तुम्हारी शारीरिक स्थिति ऐसी बनाई है।' कुछ दिन बाद, जब केशवचंद्र के देहावसान का समाचार मिला, तो रामकृष्ण परमहंस को गहरा आघात पहुंचा। वे तीन दिन तक बिना कुछ खाए-पिए और बिना किसी से बातचीत किए चुपचाप अपने घर में पड़े रहे। असली संतों का मन निर्मल होता है; उनमें मतभेद जल्द ही पिघलकर समाप्त हो जाते हैं।

सामयिक

प्रकृति, पवित्रता और प्रार्थना का अनूठा लोकपर्व छठ

छठ : जब घाटों पर उतरती है सूर्यभक्ति की आभा

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीर्घायु बनाती हैं। पुराणों में पष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं।

इस साल 25 अक्तूबर से नहाय-खाय के साथ चार दिवसीय अनुष्ठान के साथ कार्तिक छठ पर्व की शुरूआत हो रही है। इस दिन छठ व्रती नियम-धर्म से सात्विक भोजन बनाकर प्रसाद स्वरूप ग्रहण करेंगे। छठी मइया को ध्यान कर छठ पूजा 2025 का संकल्प नहाय-खाय पर ही लेने का विधान है। इस दिन छठी मइया और आदित्य देव के लिए गीत गाकर उनका आह्वान किए जाने की परंपरा है। 26 अक्तूबर को खरना है। इस दिन छठ व्रती पूरी निष्ठा से छठी मइया को खीर का प्रसाद बनाकर भोग लगाती हैं। लोहंडा का यह प्रसाद घर-परिवार और पास-पड़ोस में जनमानस को ग्रहण कराने का विधान है। ऐसी मान्यता है कि खरना का प्रसाद ग्रहण करने से जीवन के सारे दूख दूर होते हैं। छठी मइया व्रती की सारी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। 27 अक्तूबर को अस्ताचलगामी भगवान भाष्कर को संध्याकालीन अर्घ्य अर्पण किया जाएगा। इस दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ व्रती अपने परिवार की सुख-समृद्धि और संतति वृद्धि की कामना आदित्य देव से करते हैं। ऐसी मान्यता है कि ढ़लते सूरज को जल चढ़ाने से भगवान दिनकर छठ व्रती को भर-भरकर आशीष देते हैं। 28 अक्तूबर को उदीयमान सूर्य को प्रातःकालीन अर्घ्य दिया जाना है। इस दिन दीनानाथ के उगते स्वरूप का दर्शन कर छठ व्रती खुशहाली की कामना करती हैं। परिवार के लोग भी छठ व्रती को सामने से दूध-जल का अर्घ्य अपर्ण कर अपनी निष्ठा प्रकट करते हैं। छठी मइया से मंगलकामनाएं की जाती हैं। छठ पूजा का प्रसाद छठ घाट पर ही ग्रहण करने का विधान है। अंतिम चरण में छठ व्रती पारण कर चार दिवसीय छठ पर्व का अनुष्ठान समाप्त करती हैं।

नियम, संयम और तपस्या का महापर्व छठ चार दिनों तक चलता है लेकिन इसकी तैयारी कई सप्ताह पहले ही शुरू हो जाती है। षष्ठी तिथि को मनाए जाने वाले इस पर्व की शुरूआत मूल रूप से बिहार और पूर्वांचल से हुई मानी जाती है लेकिन अब यह न केवल भारत के अलग-अलग राज्यों में बल्कि विदेशों में भी मनाया जाने लगा है और बिहार तथा पूर्वांचल के ही नहीं, अन्य क्षेत्रों के बहुत से लोग भी अब छठ पर्व के प्रति आस्थावान होकर यह व्रत करने लगे हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्घ्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। सूर्योपासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन नहाय खाय' से होती है, अगले दिन खरना' होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है।

छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्घ्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देकर पूजा करने के पश्चात प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है।

छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विधा में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाए तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया।

इस पर्व को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख भी मिलता है। छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों इत्यादि के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को इन जलस्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा साफ-सुथरी नदी, तालाबों या अन्य जलस्रोतों के किनारे की जाती है, इसीलिए पूजा से पहले इन जलस्रोतों के आसपास पूरी साफ-सफाई करने का विधान है। यह महापर्व नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने का प्रेरणा देता है, इसीलिए इसे सर्वाधिक पर्यावरण अनुकूल हिन्दू त्यौहार माना जाता है।

मुद्दा

अंगदान के लिए प्रेरित करने की सराहनीय पहल

राजेश माहेश्वरी

भारत में अंगदान की कमी एक गंभीर समस्या है, जहां अंगों की मांग आपूर्ति से कहीं अधिक है। ऑर्गन रिसीविंग एंड गिविंग अवेयरनेस नेटवर्क (ऑर्गन) इंडिया के मुताबिक, हर साल भारत में करीब पांच लाख लोगों को अंग प्रत्यारोपण की जरूरत होती है लेकिन इसमें से सिर्फ दो-तीन फीसदी मांग ही पूरी हो पाती है। वहीं, अंगों के काम करना बंद करने की वजह से बहुत से लोगों की मौत हो जाती है। ऑर्गन इंडिया के मुताबिक, भारत में औसतन हर दस लाख लोगों में से करीब एक व्यक्ति ही अंगदान करता है। वहीं, अमेरिका में औसतन हर दस लाख लोगों में से 32 लोग और स्पेन में करीब 47 लोग अंगदान करते हैं। ऑर्गन इंडिया के मुताबिक, भारत में हर साल दो लाख कॉर्निया की जरूरत होती है लेकिन करीब 50 हजार कॉर्निया ही दान किए जाते हैं। कॉर्निया ट्रांसप्लांटेशन का इंतजार करने वाले 75 फीसदी लोग दृष्टि बाधित ही रह जाते हैं। यही वजह है कि जागरूकता के अभाव में हर साल लाखों मरीज़ अंग प्रत्यारोपण के इंतज़ार में मर जाते हैं। वहीं कई अन्य लोग अंग प्रत्यारोपण न हो पाने के कारण जीवन पर्यंत विकलांगता का जीवन जीने को अभिशप्त रहते हैं। नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन (एनओटीटीओ) भारत सरकार के तहत काम करने वाला संगठन है। इसके मुताबिक, भारत में अंगदान एवं प्रत्यारोपण की प्रक्रिया मानव अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत होती है।

एनओटीटीओ की साल 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2013 में भारत में करीब पांच हजार अंग प्रत्यारोपण हुए थे और साल 2023 में इनकी संख्या बढ़कर 18 हजार से ज्यादा हो गई। हालांकि, भारत जैसे बड़े देश के लिए यह संख्या बेहद कम है। आंकड़ों के मुताबिक, साल 2023 में 15 हजार से ज्यादा जीवित लोगों ने अंगदान किया था। इनमें महिलाओं की संख्या पुरुषों से ज्यादा थी। वहीं, करीब 1,100 मृतकों के भी अंग दान किए गए थे। 2023 में देश में करीब 220 हृदय प्रत्यारोपित किए गए थे। वहीं, लगभग 4,500 लिवर और 13 हजार से ज्यादा किडनी ट्रांसप्लांट भी हुए थे। इस राष्ट्रीय चुनौती को महसूस करते हुए केंद्र सरकार ने सभी अस्पतालों को अपने आईसीयू में अंग और ऊतक दान को प्रेरित करने वाली टीमें तैनात करने के निर्देश दिए हैं। निश्चित रूप से यह ज़रूरी है और समय की मांग भी है। इस दिशा में दशकों से प्रयासरत राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन एनओटीटीओ ने अब हर अस्पताल से ब्रेन-स्टेम डेथ कमेटी के सदस्यों और परामर्शदाताओं वाली एक समर्पित टीम बनाने का आग्रह किया है, जो मृतकों के परिवारों को इस प्रक्रिया में भागीदारी के लिये मार्गदर्शन करेगी।

यह एक जरूरी कदम है जिस पर मोदी सरकार ने ध्यान दिया है। वास्तव में, समय पर परामर्श, जागरूकता और समन्वय के अभाव में हम उपयोग में आने वाले अंगों के दान से वंचित हो जाते हैं। हम अक्सर देखते हैं कि जब तक शोकसंतप्त परिवारों से संपर्क किया जाता है, तब तक अंग या ऊतक की पुनर्प्राप्ति का रास्ता हमेशा के लिये बंद हो चुका होता है। निश्चित रूप से इस दिशा में सार्वजनिक शिक्षा और पारदर्शी व्यवस्थाएं इस विश्वास की कमी की खाई को पाट सकती हैं। सड़क परिवहन के आंकड़ों के मुताबिक भारत में हर साल, करीब 150,000 लोग सड़कों पर मारे जाते हैं. इसका मतलब औसतन हर रोज सड़कों पर 1000 से ज्यादा दुर्घटनाएं होती हैं और 400 से ज्यादा लोग दम तोड़ देते हैं।

अंग दान में मृत डोनर के अंगों- जैसे हृदय, यकृत (लिवर), गुर्दे (किडनी), आंतें, आंखें, फेफड़े और पैंक्रियास को निकाल कर दूसरे व्यक्ति के शरीर में प्रत्यारोपित कर दिया जाता है, जिसे जीवित रहने के लिए उनकी जरूरत है। एक मृत डोनर, जिसे कैडेवर भी कहा जाता है, इस तरह नौ लोगों की जान बचा सकता है। अंगदान दो तरह का होता है। पहली स्थिति में एक जीवित व्यक्ति अपने शरीर का कोई अंग दान करता है। जीवित व्यक्ति अमूमन किडनी या लिवर का कुछ हिस्सा ही दान करता है क्योंकि अंगदाता एक किडनी के सहारे भी जीवित रह सकता है और लिवर हमारे शरीर का ऐसा अंग है जिसमें खुद से विकसित होने की क्षमता होती है। दूसरी स्थिति में एक मृत व्यक्ति के अंग दान किए जाते हैं। इसमें शर्त यह है कि मृतक को डॉक्टरों द्वारा ब्रेन डेड घोषित किया जाना चाहिए। ब्रेन डेड व्यक्ति के सभी जीवित अंगों को दान किया जा सकता है। एक अनुमान के मुताबिक, भारत में हर साल करीब डेढ़ लाख लोग दुर्घटनाओं के चलते ब्रेन डेड हो जाते हैं।

लेकिन इनमें से बहुत कम मृतकों के अंग ही दान किए जाते हैं। अंगदान करने के इच्छुक लोग बढ़ भी जाएं तो सभी अस्पतालों में अंग प्रत्यारोपण से जुड़ी तमाम प्रक्रियाओं के लिए जरूरी साजो सामान या उपकरण मौजूद नहीं हैं। भारत में सिर्फ 250 अस्पताल ही नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन (नोटो) से पंजीकृत हैं। ये संगठन देश के अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम का समन्वय करता है। यानी देश में प्रत्येक 43 लाख नागरिकों के लिए, तमाम सुविधाओं और उपकरणों वाला सिर्फ एक अस्पताल है। भारत के देहाती इलाकों में तो ट्रांसप्लांट सेंटर कमोबेश हैं भी नहीं।

अंगदान के लिए प्रेरित करने के अभियान को हमें एक सहानुभूतिपूर्ण प्रचार-प्रसार के ज़रिए आगे बढ़ाना होगा। लोगों को बताना होगा कि यह सिर्फ़ दान ही नहीं, मानवता के प्रति करुणा का भाव जगाना भी है। निस्संदेह, सरकार की पहल और निर्देश एक अच्छी शुरुआत है, लेकिन इसे एक समन्वित राष्ट्रीय प्रयास के रूप में विकसित करना जरूरी होगा-एक ऐसा प्रयास जो इस नीति को सहानुभूति व अंगदान को मानवता के कार्य से जोड़ सके। निस्संदेह, ऐसे प्रयासों से ही मृत्यु के बाद किसी को जीवन देने हेतु अंगदान का संकल्प एक सरकारी निर्देश के बजाय एक वास्तविक हकीकत बन पाएगा।

नजरिया

प्रदूषित हवा ने स्वास्थ्य पर किया घातक प्रहार

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

वायु प्रदूषण का खतरा अब घर घर मंडराने लगा है। देश और विदेशों की विभिन्न ग्लोबल एजेंसियों द्वारा वायु प्रदूषण के खतरे से बार बार आगाह करने के बावजूद न सरकार चेती है और न ही नागरिक। लगता है लोगों ने इस जान लेवा खतरे को गैर जरूरी मान लिया है। हालिया जारी स्टेट ऑफ़ ग्लोबल एयर 2025 रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि वायु प्रदूषण के कारण वर्ष 2023 में दुनिया भर में करीब 79 लाख लोगों की मौत हुई। इनमें अकेले भारत में इस कारण 20 लाख लोगों की जान गई है। रिपोर्ट में बताया गया है, वायु प्रदूषण की वजह से दिल, फेफड़ों की बीमारी, डायबिटीज़ और डिमेंशिया जैसी कई गंभीर बीमारियां भी तेजी से बढ़ रही हैं।

वायु प्रदूषण ने भारत को अपने पंजे में मजबूती से जकड रखा है। भारत की आबोहवा निरंतर जहरीली होती जा रही है। देश की राजधानी दिल्ली और आसपास का क्षेत्र गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी दिवाली त्योहार पर वायु प्रदूषण की चपेट में है। दीवाली के बाद होने वाले घातक प्रदूषण से जूझ रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दीपावली के बाद दिल्ली -एनसीआर की वायु गुणवत्ता बहुत खराब श्रेणी में बनी हुई है। अनेक क्षेत्रों में एक्यूआई 300 के पार पहुंच गया है। साथ ही पीएम2.5 की सांद्रता 675 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर तक पहुंच गई जो 2021 के बाद सबसे अधिक बताई जा रही है। एक शोध अध्ययन के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वाहनों का धुआं, कचरा जलाना, सड़कों की धूल, निर्माण व ध्वंस कार्यों की धूल और उद्योगों का धुआं आदि के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। वाहनों से होने वाले धुंएँ के प्रदूषण में कमी लाने के साथ-साथ घरों में जल रहे ईंधन, उद्योगों के उत्सर्जन और निर्माण गतिविधियों से होने वाले धूल प्रदूषण की रोकथाम करना भी बहुत जरूरी है। सही बात तो ये है, दिल्ली में नासूर बन चुके प्रदूषण की सही प्रामाणिक स्थिति आज भी उपलब्ध नहीं है। स्टेट ऑफ़ ग्लोबल एयर 2025 रिपोर्ट बताती है कि भारत के हर चार में से तीन लोग ऐसे इलाकों में रहते हैं, जहां हवा में ज़हरीले कण की मात्रा विश्व स्वास्थ्य संगठन के तय मानक से ज्यादा है। भारत में वायु प्रदूषण से होने वाली कुल मौतों में से करीब 89 प्रतिशत मौतें गैर-संचारी रोगों की वजह से होती हैं। वाशिंगटन से प्रकाशित इन्वायरनमेंटल इंटरनेशनल नामक जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि की गई है की वायु प्रदूषण के कारण हमारे शरीर की आंत के बैक्टीरिया पर गहरा असर पड़ सकता है जिससे मधुमेह जैसी खतरनाक बीमारी के साथ मोटापा, पेट के आंत के संक्रमण सहित विभिन्न पुरानी बीमारिया बढ़ सकती है। इस रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है की वाहनों से उत्सर्जित होने वाली खतरनाक गैसें जब सूर्य की रोशनी के संपर्क में आती है तो वे बेहद खतरनाक रूप धारण कर लेती है जो हमारे स्वास्थ्य पर असर डालती है। रिसर्च के अनुसार वायु प्रदुषण मनुष्य की श्वास सम्बन्धी प्रणाली पर तो असर डालती है ही साथ ही हमारी आँतों को भी क्षतग्रस्त करती है। विशेषरूप से पेट सम्बन्धी बीमारिया बढ़ जाती है। हमारे पेट में बसने वाले जीवाणु और कीटाणु का हमारी सेहत से गहरा ताल्लुक है।

इन असंख्य जीवों का हमारे शरीर की सेहत पर अच्छा और बुरा दोनों तरह का असर पड़ता है। इन्हें अंग्रेजी में माइक्रोबायोम कहते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक हमारे आस-पास की आबोहवा पर असर इन पर पड़ता है। वायु प्रदूषण इनमें से एक है। वायु प्रदूषण के लिए कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और धूल, परागण, धुआं वगैरह जिम्मेदार होते हैं। ऐसे प्रदूषण से न सिर्फ बीमारियां हो रही हैं, बल्कि लोगों की मौत भी हो रही है।

बताया जाता है उद्योगों, घरों, कारों और ट्रकों से वायु प्रदूषकों के खतरनाक कण निकलते हैं, जिनसे अनेक बीमारियां होती हैं। इन सभी प्रदूषकों में से सूक्ष्म प्रदूषक कण मानव स्वास्थ्य पर सबसे ज्यादा प्रभाव डालते हैं। ज्यादातर सूक्ष्म प्रदूषक कण,चलते वाहनों जैसे रोजमर्रा के इस्तेमाल किए जाने वाले स्रोतों और बिजली उपकरणों, उद्योग, घरों, कृषि जैसे स्रोतों में ईंधन जलाने से निकलते हैं। हवा में मौजूद ये सूक्ष्म कण हमारे सांस लेने के दौरान बिना किसी रुकावट के सांसों के नलियों के रास्ते फेफड़ों तक पहुंच जाते हैं। इससे मनुष्य को कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी हो सकती है। महानगरों में वायु प्रदूषण अधिक फैला है। वहां चौबीसों घंटे कल-कारखानों और वाहनों का विषैला धुआं इस तरह फैल गया है कि स्वस्थ वायु में सांस लेना दूभर हो गया है। यह समस्या वहां अधिक होती हैं जहां सघन आबादी होती है और वृक्षों का अभाव होता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रोजगार मेला

केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी हैदराबाद में 'रोज़गार मेला' कार्यक्रम के तहत केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान।

गाजा शांति समझौता पश्चिम एशिया में स्थिरता की दिशा में 'ऐतिहासिक कदम': भारत

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। भारत ने हाल ही में हस्ताक्षरित गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया में स्थिरता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया और पुनः दोहराया कि दो-राष्ट्र समाधान ही इजराइल और फलस्तीन के बीच स्थायी शांति स्थापित करने का एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बृहस्पतिवार को पश्चिम एशिया की स्थिति पर आयोजित त्रैमासिक खुली बहस में, विश्व निकाय में भारत के स्थायी प्रतिनिधि एवं राजदूत पार्वतनेनी हरीश ने कहा, भारत की हार्दिक इच्छा है कि एक स्थिर और शांतिपूर्ण पश्चिम एशिया का सपना साकार हो... वंचना और अपमान किसी के दैनिक जीवन का हिस्सा नहीं होना चाहिए; संघर्ष के कारण निर्दोष नागरिकों की जान नहीं जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में अपने योगदान के लिए पूरी तरह तैयार है।

हरीश ने आशा व्यक्त की कि इस महीने की शुरुआत में शर्म अल-शेख में आयोजित शांति सम्मेलन से उत्पन्न सकारात्मक कूटनीतिक गति क्षेत्र में स्थायी शांति की ओर अग्रसर होगी। उन्होंने इस ऐतिहासिक शांति समझौते का स्वागत करते हुए अमेरिका, विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका की सराहना की और मिस्र तथा कतर के योगदान की भी प्रशंसा की।

भारत की पुरानी नीति दोहराते हुए उन्होंने कहा, दो-राष्ट्र समाधान ही एकमात्र व्यावहारिक मार्ग है। अब समय है कि सभी पक्ष चल रही शांति प्रक्रिया का समर्थन करें, न कि उसे बाधित करें।

संबोधन

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ राज्य विधानसभा चुनाव से पहले, पटना जिले के दानापुर में शुक्रवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए।

एक लाख अमेरिकी डॉलर के एच-1बी वीज़ा शुल्क के खिलाफ दायर मुकदमों का मुकाबला करेंगे: ट्रंप प्रशासन

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका सरकार ने कहा है कि वह नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर लगाए गए एक लाख अमेरिकी डॉलर के शुल्क को रोकने के उद्देश्य से दायर मुकदमों का मुकाबला करेगी। इसने कहा कि ''बहुत लंबे समय से'' प्रणाली ''धोखाधड़ी से भरी हुई है'' और अमेरिकी कर्मियों को प्राथमिकता देने के लिए इसमें आमूलचूल परिवर्तन किया जाना चाहिए। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बृहस्पतिवार को यह टिप्पणी की। एच-1बी वीजा आवेदनों पर एक लाख अमेरिकी डॉलर के शुल्क के खिलाफ अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा पिछले सप्ताह मुकदमा दायर किया गया था। दायर मुकदमे में अमेरिका सरकार के शुल्क संबंधी कदम को ''भ्रामक नीति'' और ''स्पष्ट रूप से गैरकानूनी'' कार्रवाई बताया गया, जो अमेरिकी नवाचार एवं प्रतिस्पर्धा को कमजोर कर सकती है। नए एच-1बी आवेदनों पर अत्यधिक शुल्क लगाने के ट्रंप प्रशासन के निर्णय के खिलाफ विभिन्न कर्मचारी संगठनों, नियोक्ताओं और धार्मिक संगठनों ने कैलिफोर्निया की एक संघीय अदालत में वाद दायर किया है।

लेविट ने संवाददाताओं से कहा, ''प्रशासन इन मुकदमों का अदालत में मुकाबला करेगा।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुख्य प्राथमिकता हमेशा अमेरिकी कर्मियों को प्राथमिकता देने और वीज़ा प्रणाली को मजबूत करने की रही है। लेविट ने कहा, ''काफ़ी लंबे समय से एच-1बी वीज़ा प्रणाली में धोखाधड़ी का बोलबाला रहा है, और इससे अमेरिकियों की मज़दूरी कम हुई है। इसलिए राष्ट्रपति इस प्रणाली को बेहतर बनाना चाहते हैं, और यही वजह है कि उन्होंने ये नई नीतियां लागू की हैं।'' ट्रंप ने 19 सितंबर को नए एच-1बी वीजा के लिए शुल्क बढ़ाकर एक लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 88 लाख रुपए) करने का निर्णय किया था। यह कदम अमेरिका में वीजा पर रह रहे भारतीय पेशेवरों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) के अनुसार, हाल के वर्षों में स्वीकृत सभी एच-1बी आवेदनों में से लगभग 71 प्रतिशत आवेदन भारतीय लोगों के हैं।

'अबकी बार मोदी सरकार' स्लोगन लिखने वाले एड-गुरु पीयूष पांडे का निधन

मुंबई/भाषा। भारत के विज्ञापन जगत के दिग्गजों में से एक पीयूष पांडे का शुक्रवार को मुंबई में निधन हो गया। देश के 2014 के संसदीय चुनावों का लोकप्रिय स्लोगन 'अबकी बार, मोदी सरकार' पांडे ने ही लिखा था।

पांडे 1982 में 'ओगिल्वी इंडिया' से जुड़े और बाद में कंपनी के 'ग्लोबल क्रिएटिव हेड' के शीर्ष स्तर तक पहुंचे। उन्होंने विज्ञापनों में स्थानीय भाषा, देसी अंदाज और भावनाओं को शामिल कर भारतीय विज्ञापन जगत में नई क्रांति पैदा की। उनके द्वारा तैयार किए गए लोकप्रिय विज्ञापन देश की संस्कृति और लोगों की यादों का हिस्सा बन चुके हैं जिनमें कैडबरी का 'कुछ खास है', एशियन पेंट्स का 'हर खुशी में रंग लाए' और फेविकोल का (विशेष तौर पर 'अंडे वाला') विज्ञापन शामिल हैं।

पांडे को 2016 में पद्मश्री और 2024 में 'लंदन इंटरनेशनल अवार्ड्स' के 'लेजेंड अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। वह 2004 में कान्स लायंस जूरी की अध्यक्षता करने वाले पहले एशियाई भी थे। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में राजस्थान क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व भी किया था। उनकी बहन एवं गायिका इला अरुण ने बताया कि पांडे का निधन शुक्रवार सुबह पांच बजकर 50 मिनट पर मुंबई के एक निजी अस्पताल में हुआ। वह पिछले कुछ दिनों से सांस संबंधी दिक्कतों के कारण उपचाराधीन थे।

इला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, उन्हें खेल का बहुत शौक था। वह हमारे परिवार को 11 लोगों की क्रिकेट टीम बताते थे नौ भाई-बहन और माता-पिता। पीयूष सबसे शरारती और सबसे मजाकिया थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और पीयूष गोयल ने पांडे के निधन पर शोक प्रकट किया।

मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पीयूष पांडे जी की रचनात्मक प्रतिभा को सभी ने सराहा। उन्होंने विज्ञापन और संचार की दुनिया में अभूतपूर्व योगदान दिया। उनके साथ हुई बातचीत हमेशा याद रहेगी। उनके निधन से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और प्रशंसकों के साथ हैं।

सीतारमण ने उन्हें भारतीय विज्ञापन जगत की महान और दिग्गज शख्सियत बताया और कहा कि पांडे सामान्य बोलचाल की भाषा और देसी अंदाज से विज्ञापन की दुनिया में बड़ा बदलाव लाए।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि पांडे विज्ञापन जगत में असाधारण शख्सियत थे और उनकी रचनात्मकता ने कहानी कहने के तरीकों को ही बदल दिया।

उद्योगपति गौतम अदाणी ने कहा कि पांडे सिर्फ महान विज्ञापन विशेषज्ञ नहीं, बल्कि उससे कहीं बढ़कर थे।

प्रसार भारती के वेव्स पर 24 से 'छठ' फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर

नयी दिल्ली/भाषा

प्रसार भारती के ओटीटी प्लेटफार्म वेव्स पर 24 अक्टूबर से फिल्म 'छठ' का वर्ल्ड प्रीमियर होने जा रहा है। फिल्म निर्माताओं का दावा है कि यह फिल्म बिहार की संस्कृति, आस्था और जीवन मूल्यों को समर्पित एक भावनात्मक अनुभव पेश करेगी। यहां 'छठ' फिल्म के विशेष शो के दौरान बृहस्पतिवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में प्रसार भारती के मुख्य कार्याधिकारी (सीईओ) गौरव द्विवेदी ने बताया,'' 'छठ' हमें याद दिलाती है कि भारत की सबसे सशक्त कहानियां उसकी मिट्टी से जन्म लेती हैं।'' उन्होंने एक सवाल के जवाब में बताया कि वेव्स ओटीटी के माध्यम से प्रसार भारती देश की ऐसी कहानियों को वह मंच दे रहा है जिसके वे सच्चे अर्थों में हकदार हैं। एक सवाल पर द्विवेदी ने बताया कि प्रसार भारती सभी क्षेत्रीय भाषाओं में इस प्रकार के कंटेट को वेव्स पर लाने के लिए वित्तीय समर्थन भी उपलब्ध करा रहा है।

इस अवसर पर फिल्म की निर्माता नीतू चंद्रा ने कहा,'' यह केवल एक फिल्म नहीं बल्कि हर बिहारी के दिल की भावना है। इस फिल्म के जरिए हम चाहते हैं कि दुनिया बिहार की संस्कृति, सादगी और शक्ति को महसूस करे।'' राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक नितिन नीरा चंद्रा द्वारा निर्देशित और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री एवं निर्माता नीतू चंद्रा द्वारा निर्मित फिल्म 'छठ' बिहार की मिट्टी, लोगों और परंपराओं को सशक्त रूप से प्रस्तुत करती है। निर्देशक नितिन चंद्रा ने इस बात को स्वीकार किया कि अभी तक उपलब्ध भोजपुरी मनोरंजन सामग्री, विशेष रूप से फिल्मों ने भोजपुरी भाषी मध्यम वर्गीय दर्शकों को उससे दूर भगा दिया है। लेकिन उन्होंने साथ ही कहा कि अच्छी सामग्री उपलब्ध करा कर इन दर्शकों को भोजपुरी फिल्मों पर गर्व करने को प्रेरित किया जा सकता है।

फिल्म का निर्माण चंपारण टॉकीज प्रोडक्शन ने किया है जिसकी स्थापना नितिन चंद्रा और नीतू चंद्रा ने 2008 में की थी। इस कंपनी द्वारा निर्मित फिल्म 'मिथिला मखान' को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। नस्ली भेदभाव पर इसके द्वारा निर्मित फिल्म 'करियट्टी' भी काफी लोकप्रिय हुई थी।

मेरी दो और रचनाएं बिना अनुमति के तमिल फिल्म में इस्तेमाल हुईं: इलैयाराजा ने अदालत में कहा

चेन्नई/भाषा

जाने-माने संगीत निर्देशक इलैयाराजा ने मद्रास उच्च न्यायालय में कहा कि उनकी दो और रचनाएं बिना उनकी अनुमति के एक नयी तमिल फिल्म में इस्तेमाल की गई हैं। 'सोनी म्यूजिक एंटरटेनमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' सहित तीन संगीत कंपनियों के खिलाफ इलैयाराजा की याचिका पर सुनवाई कर रही पीठ के समक्ष बुधवार को संगीतकार के वकील ने यह दलील रखी। याचिका में संगीतकार ने उनके गीतों के अनधिकृत इस्तेमाल का आरोप लगाया है।

इलैयाराजा के वकील ने बताया कि प्रदीप रंगनाथन अभिनीत हालिया तमिल फिल्म 'डूड' में उनके दो गीतों का उपयोग किया गया। न्यायाधीश ने याचिकाकर्ता को इस मामले में एक अलग याचिका दायर करने का निर्देश दिया।

इससे पहले, सोनी म्यूजिक ने इलैयाराजा के गानों से हुई अपनी कमाई का ब्योरा एक सीलबंद लिफाफे में अदालत को सौंपा और बताया कि उच्चतम न्यायालय ने कॉपीराइट संबंधी मामले को मुंबई उच्च न्यायालय से मद्रास उच्च न्यायालय में स्थानांतरित करने की कंपनी की याचिका पर संगीतकार से जवाब मांगा है। न्यायाधीश ने सीलबंद लिफाफे को स्वीकार नहीं किया क्योंकि इससे जुड़ा एक मामला उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 19 नवंबर के लिए स्थगित कर दी।

दिल्ली पुलिस के जवान दो संदिग्ध आईएसआईएस सदस्यों के साथ, जिनका नाम अदनान है, उन्हें गिरफ्तार किया गया है। वे कथित तौर पर दिवाली के दिन राष्ट्रीय राजधानी के एक भीड़-भाड़ वाले इलाके में आतंकी हमले की योजना बना रहे थे।

'किस किसको प्यार करूं 2' फिल्म 12 दिसंबर को होगी रिलीज

नयी दिल्ली/भाषा

भारतीय हास्य कलाकार कपिल शर्मा की फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' सिनेमाघरों में 12 दिसंबर को रिलीज होगी। शर्मा ने इसके रिलीज की तारीख की घोषणा की। अभिनेता-हास्य अभिनेता ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर एक पोस्टर साझा किया जिसमें वह दूल्हे की पोशाक में दर्शकों की ओर देख रहे हैं जबकि दुल्हन की पोशाक में अलग-अलग चार महिलाएं उन्हें उठा रही हैं। फिल्म के पोस्टर पर लिखा है, ''डोली उठी दुर्घटना घटी।''

शर्मा की पोस्ट में लिखा है, ''दोगुने असमंजस और चार गुने मज़े के लिए तैयार हो जाइए। किस-किस को-प्यार-करूं 2 फिल्म सिनेमाघरों में 12 दिसंबर 2025 को रिलीज होगी।''

'किस किसको प्यार करूं 2' साल 2015 में आई कॉमेडी फिल्म का सीक्वल है जिसमें शर्मा के साथ वरुण शर्मा, मंजरी फडनीस, सिमरन कौर मुंडी, साई लोकुर और एली अवराम भी थे।

पहली फिल्म में शर्मा ने कुमार शिव राम किशन की भूमिका निभाई थी और उन्होंने चार महिलाओं से शादी की थी। अनुकल्प गोस्वामी द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म के निर्माता रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास मस्तान हैं। फिल्म में हीरा वरीना, आयशा खान, त्रिधा चौधरी, मनजोत सिंह और पारुल गुलाटी भी हैं।

अच्छे पार्टनर की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड पहुंचीं शहनाज गिल

नई दिल्ली/एजेन्सी

अपने चुलबुले अंदाज से सबका दिल जीतने वालीं अदाकारा शहनाज गिल अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एक कुड़ी' लेकर आ गई हैं।एक्ट्रेस की नई फिल्म का शानदार ट्रेलर रिलीज कर दिया है और रिलीज के साथ ही सोशल मीडिया पर ट्रेलर छा गया है। इतना ही नहीं, हिना खान ने खुद फिल्म के ट्रेलर की भर-भरकर तारीफ की है। शहनाज गिल की पंजाबी फिल्म 'एक कुड़ी' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में एक्ट्रेस एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश में शहर से पंजाब के पिंड में पहुंच जाती हैं और पता लगाती हैं कि जिससे उनकी शादी होने वाली है, असल में वो लड़का कैसा है। ट्रेलर में शहनाज को एक अच्छे जीवनसाथी की तलाश है और वे उसके लिए अपने पूरे परिवार का साथ पाती हैं, जो लड़के को उसके गांव जाकर परखता है। फिल्म में फैमिली कॉमेडी से लेकर एक लड़की की शादी से पहले महसूस किए जाने वाले अनुभव और डर को दिखाया गया है। फैंस भी ट्रेलर को देखकर अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, वाह, सचमुच बहुत बढ़िया ट्रेलर, शहनाज़ कमाल की और बहुत खूबसूरत लग रही हैं, फिल्म का इंतज़ार रहेगा।

एक अन्य यूजर ने लिखा, गजब, क्या ट्रेलर है सब कुछ एकदम सही, कहानी और गाने बहुत पसंद आ रहे हैं। बता दें कि फिल्म

के गाने ट्रेलर रिलीज से पहले ही रिलीज कर दिए गए हैं। फिल्म में एक गाना शहनाज ने पंजाबी सिंगर यो-यो हनी सिंह के साथ भी फिल्माया है, जिसे फैंस का बंपर रिस्पांस मिला है। फिल्म 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। हिना खान ने फिल्म का ट्रेलर शेयर कर फैंस से इसे देखने की अपील की है। उन्होंने शहनाज की फिल्म और एक्टिंग दोनों की तारीफ की है। फिल्म की कास्ट की बात करें तो फिल्म में पंजाब इंडस्ट्री के कई दिग्गज कलाकारों को देखा गया है।

फिल्म में शहनाज के अलावा निर्मल ऋषि, सुखी चहल, गुरिंदर मकना, जस, उदयबीर संधू, गुरदयाल पारस, जस ढिल्लों, विशु उप्पल और गुरप्रीत सिंह कई स्टार्स मौजूद हैं। फिल्म को प्रोड्यूस कौशल जोशी, शहनाज गिल और अमरजीत सिंह सरोन ने किया है और फिल्म को अमरजीत सिंह सरोन ने लिखा और डायरेक्ट किया है।

'द राजा साब' का पहला लुक प्रभास ने बर्थडे पर मचाया तूफान

मुंबई/एजेन्सी

इस दिवाली, जब बाकी स्टार्स लाइट्स और पार्टीज़ एंजॉय कर रहे थे, प्रभास और उनकी टीम ने ग्रीस के खूबसूरत आइलैंड्स पर अपनी ही फायरवर्क्स क्रिएट की एक ग्रैंड सॉन्ग सीक्वेंस शूट करते हुए, जिसमें दो शानदार सॉन्ग्स, ऐज़्योर वॉटर्स और सन-ड्रेंच्ड बैकड्रॉप्स के साथ, पूरा विज़ुअल फेस्ट तैयार हो गया। और अब, रिबेल स्टार प्रभास के बर्थडे के परफेक्ट टाइमिंग पर, मेकर्स ने ड्रॉप किया पहला पोस्टर ऑफ़ द राज़ा साब, जो फैंस को पूरी तरह से फ़्रेनज़ी में डाल रहा है!पोस्टर में प्रभास, रिबेल साब के रूप में, कार के ऊपर खड़े हैं, हाथ फैलाए हुए, रंग-बिरंगे फ्लोरल जैकेट में, डार्क शेड्स और वही आइकोनिक रेबेल ग्रिन के साथ। पीछे का मंदिर और खुशहाल भीड़ पूरे फेस्टिवल का फील दे रहे हैं। फिल्म हॉरर, रोमांस और कॉमेडी का पर्फेक्ट कॉम्बो है। ट्रेलर ने भी पहले ही सोशल मीडिया को सेट कर दिया था, संजय दत्त के मिस्टेरियस एक्सॉर्सिस्ट-सायकोलॉजिस्ट-हिप्नोटिस्ट रोल के साथ, और बॉमन ईरानी और ज़रीना वहाब के साथ फुल-ऑन एंटरटेनमेंट का प्रॉमिस! अब बस फाइनल शेड्यूल बचा है, और शुरुआती झलकियों से लगता है कि प्रभास का हॉरर-फैंटेसी आउटिंग एक मेगा सेलेब्रेशन बनेगा, पूरी तरह रेबेल स्टाइल में। मारुति द्वारा निर्देशित और लिखित, द राजासाब का निर्माण पीपल मीडिया फ़ैक्टरी और आईवी एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। प्रभास, मालविका मोहनन, निधि अग्रवाल, रिद्धि कुमार, संजय दत्त और बोमन ईरानी जैसे कलाकारों से सजी इस फिल्म में 9 जनवरी 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ होने की उम्मीद है।

एसपी रोड हब्बा में विपक्ष के नेता चलावडी नारायणस्वामी को आमंत्रित करते हुए।

'एसपी रोड हब्बा' के लक्की ड्रॉ में उपहार ही उपहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक्स डीलर्स एसोसिएशन एसपी रोड वोकल फॉर लोकल उत्पादों एवं ऑफलाइन व्यापार को प्रोत्साहित करने और आईटी उत्पाद व इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने वाले ग्राहकों को जीएसटी 2.0 के लाभ से अवगत कराने के लिए एक शॉपिंग फेस्टिवल-एसपी रोड हब्बा-2025 का आयोजन किया गया है । बाज़ार से सीधे सामान खरीदने वाले ग्राहक उसकी असली गुणवत्ता जान सकते हैं और प्रतिस्पर्धी कीमतों पर विभिन्न प्रकार के उत्पादों की तलाश कर सकते हैं। तकनीकी खराबी और सहायता के कारण उत्पादों की सुरक्षा भी प्राप्त कर सकते हैं।

यह आयोजन 29 सितंबर को उद्घाटन समारोह के साथ शुरू हुआ और 25 अक्टूबर 2025 को साप्ताहिक कार्यक्रमों और लकी ड्रॉ के साथ समाप्त होगा जिसमें हर हफ्ते पुरस्कार दिए गए। 25 अक्टूबर को बंपर पुरस्कार में एक दोपहिया वाहन के साथ-साथ एक कार भी होगी, जिसमें 100 से ज़्यादा उपहार होंगे।

एसोसिएशन के सचिव अरुण लुणावत ने बताया कि इस अवसर पर केन्द्रीय एमएसएमई राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे, विपक्ष के नेता चलावडी नारायणस्वामी, विधायक भारती शेट्टी, चिकपेट के विधायक उदय बी गरुड़ाचार, भाजपा के राज्य मीडिया संयोजक करुणाकर खासले आदि को आमंत्रित किया है।

शिष्टाचार भेंट — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु की अणुव्रत समिति के सदस्यों ने गांधीनगर क्षेत्र के विधायक व राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव से शिष्टाचार भेंट की तथा उन्हें अणुव्रत साहित्य भेंट करते हुए अणुव्रत आंदोलन के बारे में जानकारी दी। मंत्री गुंडूराव ने आंदोलन की सराहना करते हुए तेरापंथ भवन में विराजित मुनि श्री के दर्शन करने की भावना व्यक्त की। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री सुरेश चावत, प्रचार प्रसार मंत्री कविता जैन आदि उपस्थित थे।

गौड़ ब्राह्मण संघ का दीपावली मिलन कल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। गौड़ ब्राह्मण संघ का दीपावली स्नेह मिलन रविवार 26 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। हसरघट्टा स्थित राजस्थानी ढाणी एंड रिसोर्ट में मध्यान्ह 3 बजे से आयोजित इस स्नेह मिलन में संघ द्वारा समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को पारितोषक दिया जाएगा। संघ के संस्थापक सदस्यद्वय कैलाशचन्द गौड़ एवं इन्दुप्रकाश शर्मा को 'परशुराम रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया और सचिव अनिल कुमार शर्मा ने समाज के सभी बंधुओं को सपरिवार स्नेहमिलन में शामिल होने का न्यौता दिया है। कार्यक्रम स्थल के लिए टी दासरहल्ली मेट्रो स्टेशन से बस की व्यवस्था भी की गई है। उसके बारे में अधिक जानकारी महेश शर्मा से फोन नं. 9343723177 पर प्राप्त कर सकते हैं।

दीपोत्सव — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के नेलमंगला स्थित श्री जीण माता मंदिर में जीण मां के दीवाने संस्था द्वारा दीपावली के अवसर पर पहली बार दीपोत्सव बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। दीपोत्सव में 1500 मिट्टी के दिए जलाए गए। इस आयोजन में पुजारी रमाशंकर तिवारी सहित माँ जीण के दीवानों ने सभी भक्तों को धन्यवाद दिया।

सिद्दरामय्या और शिवकुमार ने आंध्र प्रदेश में बस हादसे में मौतों पर शोक जताया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शुक्रवार तड़के आंध्र प्रदेश में बस में आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने एक बयान में कहा, कुरनूल जिले के चिन्नातेकुरु गांव के पास हैदराबाद-बेंगलूरु मार्ग पर एक बस में आग लगने की दुखद घटना से व्यथित और दुखी हूं। इस हृदय विदारक घटना में कई

अनमोल जानें चली गईं और कई लोग घायल हुए।

उन्होंने कहा, ''जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।'' हैदराबाद से बेंगलूरु जा रही एक निजी बस में शुक्रवार को एक दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग जाने से कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई। शिवकुमार ने अपने शोक संदेश में कहा, ''हैदराबाद-बेंगलूरु मार्ग पर कुरनूल के पास बस में आग लगने की दुखद घटना से अत्यंत दुखी हूं। पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना। हम सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं।''

जीवन में अगर धर्म नहीं तो जीवन बेकार : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि संसार में धनी होना बड़ी बात नहीं है, बल्कि प्रेमी होना बड़ी बात है। प्रेम दो और प्रेम बांटो, सबसे बड़ी बात यही है। इंसान चला जाता है लेकिन उसका प्रेम वात्सल्य सदा पास रहता है। मनुष्य चला जाता है। लेकिन धन यहीं रह जाता है। अगर प्रेम व्यवहार है तो वह सदा याद किया जाता है। प्रेमी बन कर प्रेम से प्रभु के गुण गाया करो। इंसान के जाने के बाद भी उसका प्रेम और कार्य याद किया जाता है। जब तक प्रेम नहीं है तब तक धन दौलत सब बेकार है। जब तक मनुष्य उत्तम कर्म नहीं कमाएगा तब तक सब बेकार है। प्रभु के गुणगान करो यही अंत समय में काम आएगा। अगर कोई दुखी है तो वहां पर आपका मौज मस्ती करना सब बेकार है। अगर कोई दुखी और भूखा है तो पहले उसकी सेवा करो। दूसरों की सेवा करो। भाई अगर रूठा भी है तो पहले उसको मनाओ। अगर ऐसा नहीं किया तो आपका धन दौलत सुख सब बेकार है। ङ्कसंतश्री ने कहा कि छोटा भाई अगर दुखी है तो बड़े भाई का उसको मनाना कर्तव्य है। अगर उसको दुखी देख कर मस्त हो तो धन, धर्म, ध्यान सब बेकार है। सभी को साथ लेकर चलना ही बड़ों का कर्तव्य होता है। अगर आपका कोई अपना हो तो उसकी सेवा करते रहो। अगर भगवान ने आपको दिया है तो आप सेवा करते रहो। परोपकार का कार्य ही अंत समय में काम आएगा। किसी भूखे को खिलाओगे तो खुशी मिलेगी। लोगों की सेवा करना ही धर्म है। धर्म के बिना जीवन बेकार है। जैसे शीश है, उसे अगर झुकाया नहीं तो वह शीश बेकार है। वैसे ही धर्म के बिना जीवन बेकार है। इसलिए मनुष्य भव मिला है तो धर्म कार्य करके इसका उद्धार कर लेना चाहिए। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने स्वागत किया। कोषाध्यक्ष मनोहर लाल मुथा ने आभार व्यक्त किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

ज्ञान ही आत्मा का सच्चा कल्याण मार्ग : डॉ. वरुणमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुजराती जैन संघ, गांधीनगर में चातुर्मास हेतु विराजित डॉ. वरुण मुनि जी महाराज ने तुरकिया भवन में अपने प्रवचन में कहा कि इस आत्मा का कल्याण केवल ज्ञान द्वारा ही संभव है। मुनिश्री ने कहा कि ज्ञान हर व्यक्ति के जीवन का अनिवार्य आधार है। चाहे बालक हो जो विद्यालय या महाविद्यालय में अध्ययनरत है, या युवा हो जो व्यापार अथवा नौकरी में संलग्न है, सभी को सफलता प्राप्त करने के लिए ज्ञान और ध्यान की आवश्यकता है।

इसी प्रकार चाहे पुरुष हैं या महिलाएँ, गृहस्थ जीवन, परिवार और समाज के संचालन में भी ज्ञान का मार्गदर्शन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ज्ञान पंचमी केवल एक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान साधना का दिव्य उत्सव है, जिसे लौकिक जगत में लाभ पंचमी के रूप में भी मनाया जाता है।

यह पर्व हमें ज्ञान के प्रति श्रद्धा, विनम्रता और सतत अध्ययन की प्रेरणा देता है। वरुण मुनि जी ने बताया कि रविवार को सुबह 9:30 से सरस्वती मंत्र का सामूहिक अनुष्ठान होगा। मुनिश्री ने श्रीमद्भगवद्गीता के उद्धरण के माध्यम से कहा कि 'श्रद्धावानम लभते ज्ञानम्' अर्थात जिस व्यक्ति के हृदय में श्रद्धा होती है, वही सच्चे ज्ञान को प्राप्त करता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि ज्ञान पंचमी के इस पवित्र अवसर पर समाज में जरूरतमंद विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री प्रदान करें, ज्ञान एवं ज्ञानीजनों का सम्मान करें, जिनसे भी हमें एक अक्षर का भी ज्ञान हुआ है, उनके प्रति हमारे भीतर श्रद्धा का भाव होना चाहिए तथा ज्ञान के प्रति श्रद्धा और विनम्रता का भाव अपने जीवन में विकसित करें। मुनिश्री ने कहा कि सरस्वती मंत्र विधान से हमारे ज्ञानावरणीय कर्म क्षीण होते हैं और ज्ञान के विकास के नए द्वार खुलते हैं।

समापन पर मुनिश्री ने कहा कि जीवन में ज्ञान का प्रवाह निरंतर बढ़ता रहे, यही सच्ची सरस्वती उपासना है। संघ के अध्यक्ष राजेश मेहता ने सरस्वती मंत्र अनुष्ठान की जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ रूपेश मुनि जी के प्रेरणादायक भजनों से हुआ। तत्पश्चात उपप्रवर्तक पंकज मुनि जी ने मंगल पाठ का वाचन किया।

अन्नदान महाप्रसादी में हजारों लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर में प्रतिमाह अमावस्या पर अन्नदान करने वाली संस्था श्री गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा शुक्रवार को 93वां अन्नदान महाप्रसादी कार्यक्रम आयोजित किया गया। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल ने बताया कि सरोजबाई अशोक कुमार कमलचंद मनीष कुमार छल्लानी परिवार केजीएफ बेंगलूरु एवं समिति के मासिक सदस्यों के समन्वित सहयोग से आयोजित इस अन्नदान कार्यक्रम में करीब 4 हजार से अधिक लोगों ने महाप्रसादी का लाभ लिया। मैसूर बैंक सर्किल स्थित श्री हनुमानजी मंदिर के समीप हुए इस कार्यक्रम में समिति के कार्याध्यक्ष आशीष बाफना, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बाफना, उपाध्यक्ष अनिल बाफना, यशवंत सालेचा, मनु बाफना, अनिल पोकरणा, श्रुति जैन, मंजू राव, कृष्णा, दिलीप समदरिया, अशोक समदरिया सहित लाभार्थी छल्लानी परिवार के सदस्यों ने अन्नदान सेवा में अपना अपना योगदान दिया। इस दौरान छल्लानी परिवार के सदस्यों का समिति की ओर से सम्मान भी किया गया। मनोहर बाफना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

संत दर्शन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मंजूनाथनगर शिवनगर के सकल जैन संघ के सदस्यों ने शुक्रवार को यलहंका में विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी के दर्शन कर मांगलिक लिया और संतश्री ने मंजुनाथनगर आने का निवेदन किया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष संघवी उत्तमचंद आच्छा, उपाध्यक्ष विनोदकुमार मेडतवाल, मंत्री राकेश दलाल, सहमंत्री राजेशकुमार कोठारी, सुरेश कुमार बागमार, अंकित आच्छा आदि उपस्थित थे

छूटने के पहले छोड़ देना त्याग है : साध्वी वृद्धिप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभा जी ने कहा कि प्रत्येक जीव अनंत जीवों की तरह अनंत बार और अनंत काल से इस लोक का भ्रमण चारों गतियों में कर रहा है। भ्रमण के इन्हीं संस्कारों के कारण आज भी हमें घूमना फिरना पसंद आता है परन्तु जिन्हें आत्मा की याद आ जाती है वो सभी आसक्तियों से स्वयं को मुक्त कर स्व में स्थित हो जाता है। हम खूब पुण्य को लेकर मनुष्य भव में आए हैं, किंतु यहां आ कर लगातार पुण्य को खर्च कर स्वयं को नगण्य कर रहे हैं। नए पुण्य को कमाने का यदि पुरुषार्थ नहीं रहा तो आगे खूब पछतावा रहेगा।

स्वयं से हम वार्तालाप करें कि क्या हम वापस नरक की अनंत भूख प्यास दुख और रोग को भोगने के लिए आत्मा को भूल रहे हैं। अपने प्रवचन में साध्वीश्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि ममत्व और आसक्ति बंधन है। छूट जाए और स्वेच्छा से छोड़े में बहुत अंतर है। आसक्ति नहीं होगी तो छोड़ने में आसानी होगी। प्रभु महावीर ने शुरु से किसी से कोई आसक्ति नहीं रखी तो जब उन्होंने छोड़ा तो वह अपने आप छूट गया था। उपवास करें और भोजन स्मृति में रहें तो यह श्रेष्ठ और अनुकरणीय साधना नहीं है। यह आत्मा हीरे के समान है। इसकी सुरक्षा करनी है। इस आत्मा में दुर्गुणों का कचरा नहीं भरना है। छूटने के पहले छोड़ देना त्याग है।

प्रवचन सभा में अलसूर महिला मंडल के सदस्य एवं चेन्नई आदि स्थानों के दर्शनार्थी उपस्थित थे। संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने संचालन किया। सहमंत्री धनपतराज तातेड़ ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी शशिप्रभाजी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

नव वीर सम्वत पर जिनालय एवं दादावाड़ी का द्वारोद्घाटन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में दीपावली पर्व के पश्चात नव वीर सम्वत के उपलक्ष्य में श्री मलयप्रभ सागरजी म. सा. एवं साध्वीश्री हर्षपूर्णश्रीजी म. सा. की निश्रा में विमलनाथ जिनालय एवं दादावाड़ी का द्वारोद्घाटन किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने अपने संदेश में सकल संघ को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए कहा कि सभी का भण्डार परमात्मा केशरियाजी की कृपा से भरपूर बना रहे। दीपमालिका का प्रकाश पर्व हमें परस्पर सौहार्द और आपसी प्रेम की सीख देता है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने गणधर गौतम स्वामी के परमात्मा के प्रति विनय और समर्पण का भाव अपने जीवन में गुरु के प्रति अपनाने की बात कही। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने कहा कि आज से 2552 वर्ष पूर्व पावापुरी में परमात्मा महावीर का निर्वाण हुआ था और उसी रात्रि में गुणायाजी में गणधर गौतम स्वामी जी को केवलज्ञान रूपी लक्ष्मी प्राप्त हुई थी। प्रभु वीर के अहिंसा का सिद्धांत आज सम्पूर्ण विश्व के लिए बहुत ही प्रासंगिक है। ङ्कइस अवसर पर जिनालय और दादावाड़ी का द्वारोद्घाटन का लाभ विमला देवी नवरतनमल गुलेच्छा परिवार ने लिया। परमात्मा को लड्डू अर्पण करने का लाभ शांति देवी चुन्नीलाल गुलेच्छा परिवार, गणधर गौतम स्वामीजी को लड्डू अर्पण करने का लाभ कमला देवी मेवाराम मालू परिवार, दादा गुरुदेव को लड्डू अर्पण करने का लाभ शंकर लाल धारीवाल परिवार, नाकोड़ा भैरवजी को लड्डू अर्पण करने का लाभ रमेश कुमार निखिल कुमार गुलेच्छा परिवार, यंत्र मंदिर में लड्डू अर्पण करने का लाभ रूपेश कुमार मोहित कुमार गुलेच्छा परिवार, अंबिका माता और पद्मावती माता को लड्डू अर्पण करने का लाभ रेखाबहिन विजय राज लोढ़ा परिवार ने लिया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के समस्त सदस्यों के साथ से ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**